



Admission

Open

प्रवेश प्रारंभ

6 माह
कंप्यूटर
हार्डवेयर

6 माह
ऑफिस
ऑटोमेशन

6 माह
कंप्यूटर
डेटा एंट्री कोर्स

4 माह
Accounting
with Tally GST

3 माह
कंप्यूटर
बेसिक कोर्स

30%
Discount
Offer for Limited Time

DCA (12th) / PGDCA (Graduation)

• 1 वर्षीय विश्वविद्यालयीय कोर्स •

संस्था विशेष :-

- 100% रोजगार उम्मीदी सहयोगी पाठ्यक्रम।
- अनुभवी शिक्षकों द्वारा पूर्णतः प्रैक्टिकल ट्रेनिंग है।
- कोर्स संबंधित विषयों की समस्त नोट्स एवं संस्था द्वारा डि-डुप्लिकेट प्रदान की जाती है।
- प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
- कंप्यूटर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का समय विद्यार्थी के अनुसार प्रदान किया जाता है।
- नौकरी पेशा, गृहिणियों के लिए विशेष क्लास की व्यवस्था कर प्रशिक्षण दिया जाता है।
- फीस आसान मासिक किस्तों में देने की सुविधा।

लक्ष्य इंस्टीट्यूट

चौसरिया कॉम्प्लेक्स मीनाक्षी नगर, मेन रोड, बोरोही, दुर्ग (छ.ग.)

Contact US : 9685916930



उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ाएं अपना पहला कदम

नए शैक्षणिक सत्र के लिए स्कूल, कॉलेज एवं कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं बेहतर करियर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न कोर्सों में एडमिशन शुरू किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी जल्द से जल्द संपर्क कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सफलता की पहली सीढ़ी मानी जाती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज, व्यक्तित्व विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

संस्था में स्कूल शिक्षा से लेकर कॉलेज एवं कंप्यूटर कोर्स तक की विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के लिए आधुनिक कंप्यूटर लैब, अनुभवी फैकल्टी, अनुशासित वातावरण एवं नियमित क्लासेस की व्यवस्था की गई है। संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगार योग्य बनाना है।

उपलब्ध कोर्स

DCA
PGDCA
Tally GST
Computer Hardware
Graphic Designing
Data Entry Operator
Basic Computer Course
B.A. / B.Com / B.Sc
Nursery से Higher Classes तक प्रवेश

संस्था की विशेषताएं

अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन
प्रैक्टिकल एवं जॉब ओरिएंटेड प्रशिक्षण
आधुनिक कंप्यूटर लैब सुविधा
सीमित शुल्क एवं आसान किस्तों की सुविधा
मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन
अनुशासित एवं शांत अध्ययन वातावरण
नियमित टेस्ट एवं करियर काउंसलिंग
रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम
विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर

संस्था द्वारा विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुरूप तैयार किया जाता है ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं, नौकरी एवं व्यवसाय के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कंप्यूटर शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल युग के अनुरूप दक्ष बनाया जा रहा है।

सीमित सीटों पर प्रवेश जारी है। इच्छुक विद्यार्थी संस्था कार्यालय में संपर्क कर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समय पर प्रवेश लेकर अपने भविष्य को नई दिशा दें।

“श्रेष्ठ शिक्षा ही सफल
भविष्य की पहचान है”



OPEN ADMISSION 2026



COMPUTER CERTIFICATE COURSE

MS Office	Tally ERP9 + GST	Python
DCA	PGDCA	Website Design
Electronics	Robotics	Drone
Graphic Designing	Digital Marketing	

+91 8518899998
+91 7047376553

Ram Nagar, Kohka Road, Supela, Bhilai (C.G.) 490023.



DEV SANSKRITI VIDYALAYA

Affiliated to CG Board of Secondary Education
ENGLISH MEDIUM SCHOOL

Congratulations!

Class-12th

RUDRA PRATAP SINGH 78.8%	TEJSWI SAHU 72.4%	ADITYA KUMAR SAHU 71.8%
-----------------------------	----------------------	----------------------------

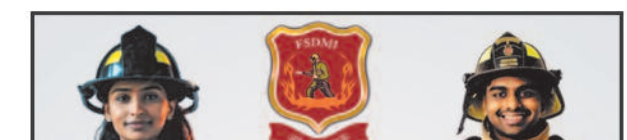
Class-10th

NAMAN RAJ SINHA 93%	VARSHA SAHU 88%	LAV KUMAR SAHU 83.3%
------------------------	--------------------	-------------------------

Khapri, Dhamdha Road, Durg (C.G.)

CALL: 9827473764, 6266696500, 7987165676

E-mail: officedsctet@gmail.com



10वीं, 12वीं पास छात्र ध्यान दें

ADMISSION OPEN

फायरमैन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण भर्ती हेतु

विगत 15 वर्षों से संस्था सेवाएं दे रही है। प्रशिक्षण प्रारंभ 1 जून 2026 को शुरू किया जाएगा।

सत्र: 2026-27

AVAILABLE COURSES

- Fire Technology & Industrial Safety.
- Industrial Safety Management.
- Health Sanitary Inspector.
- Sub Fair Officer.
- PG in Fire Technology & Industrial Safety.
- Certificate in Fireman.
- (ADIS) ADVANCE DIPLOMA in Industrial safety.
- (PDIS) POST DIPLOMA in Industrial Safety.

योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र एवं छात्राओं के लिए

कैंपस : इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

7697212782

उदय कॉलेज

जामुल - भिलाई मो. : 9926011105, 7470984997

Affiliated To Hemchand Yadav University Durg

ADMISSION OPEN 2026-27

B.A.	B.Com
B.Sc (Bio)	B.Ed
PGDCA	PGDY

उदय पब्लिक स्कूल

Nursery to 8th (English Medium)

जामुल - भिलाई मो. : 7909999899, 8349381497

उदय इंग्लिश मीडियम स्कूल

Nursery to 9th

छावनी - भिलाई मो. : 9893399132, 9589309949



D.A.V. MODEL HIGHER SECONDARY SCHOOL

♣ Arya Nagar, Durg ♣ 0788-4050299, 2216281

MAHARSHI DAYANAND ARYA HIGHER SECONDARY SCHOOL

♣ Mathpara, Durg ♣ 0788-2328089, 3596172

www.davmodelschool.co.in | aryadavmodelschool@gmail.com

NURTURING MINDS | BUILDING CONFIDENCE | SHAPING BRIGHT FUTURES

ABACUS & VEDIC MATHS

SMART MIND
SHARP CALCULATION
BRIGHT FUTURE

Learn Faster | Calculate Smarter | Achieve Greater

Let Your Child Be A MATHS STAR! ENROLL NOW!



MAHARSHI DAYANAND ARYA VIDYALAYA

HIGHER SECONDARY ENGLISH MEDIUM SCHOOL

Sector - 6, Bhilai, Dist. - Durg (C.G.)

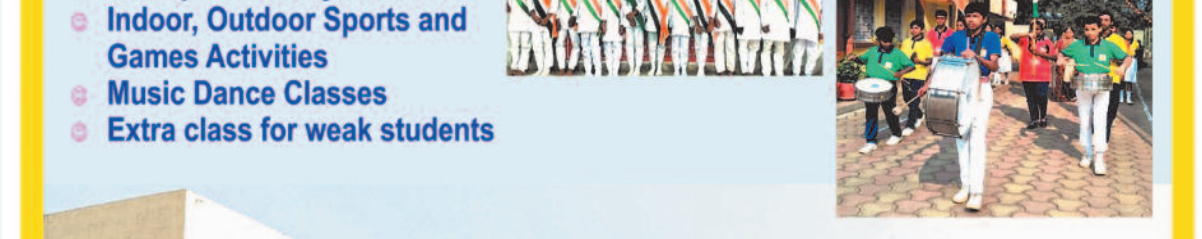
C.B.S.E. Affiliation No. - 3330535, School Code - 16344

ADMISSION + OPEN 2026-27

NURSERY to IX & XI

Celebrating 60 years of excellence in Education

- Affordable Fee
- Education with Ethics & Moral values
- Martial Art & Yoga Classes
- Library and Lab Facility
- CCTV Camera in classrooms
- Pollution free campus
- Transport Facility Available
- Indoor, Outdoor Sports and Games Activities
- Music Dance Classes
- Extra class for weak students





Web : www.mdavbhilai.in, Email :- mdav.bhilai66@gmail.com

Contact :- 0788-4216644, 9755044366, 9993819232, 7999912252



डिघारी के चंद्रकांत का अग्निवीर में चयन

सेलूद। ग्राम डिघारी के होनहार युवा चंद्रकांत गोस्वामी, पिता शंकर गोस्वामी का भारतीय सेना की अग्निवीर योजना में चयन होने पर पूरे गांव में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस खुशी के अवसर पर ग्राम डिघारी में ग्रामीणों द्वारा भव्य डीजे के साथ शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत ऑफ़िस-डिघारी की सरपंच प्रियालता महिपाल, उपसरपंच भूपेश निर्मलकर,खुमान यादव,सुकृता ठाकुर, मीना यादव, सुखदेव ठाकुर, चन्द्रकला वर्मा, सी एल वर्मा, दशरथ गोस्वामी,अमृत गोस्वामी, शंकर गोस्वामी, गुंजा गोस्वामी, पल्लवि गोस्वामी, त्रिलोक ठाकुर आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल देश सेवा की कामना की।

लीलाधर ने अग्निवीर बनकर बढ़ाया मान



जामगांव आर। गातापार के गरीब मजदूर पिता गिरधारी लाल साहू व माता ललितता साहू भाई भूषण साहू परिवार का बेटा लीलाधर साहू ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे गांव का नाम रोशन कर दिया है। लीलाधर का इंडियन आर्मी में अग्निवीर के पद पर चयन हुआ है। चयन की खबर मिलते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ पड़ी स्वागत करने समाज की पदाधिकारियों की भीड़ उमड़ी। इस खुशी के मौके पर साहू समाज परिषद्कीय अध्यक्ष टेश राम साहू, उपसरपंच दिलीप साहू, पंच युवराज साहू, पंच पवन साहू, नरेन्द्र साहू, नित्यानंद साहू, गर्जेन्द्र साहू, देवेंद्र साहू, धर्मेंद्र साहू, भूषण साहू आदि मौजूद थे।

स्टेशन मरोदा में आज पटपर झांकी

भिलाई। उमंग महिला समिति स्टेशन मरोदा के तत्वावधान में पटपर झांकी की प्रस्तुति 29 मई को रात 8 बजे शीतला मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया है। डोंगरगांव के कलाकार पटपर झांकी की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू होंगे। विशेष अतिथि के रूप में नरेई थाना प्रभारी अनिल साहू उपस्थित रहेंगे। समिति ने लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

बिजनेस साइट

पासपोर्ट की समस्या का तुरंत समाधान : श्रीकांत जैन

भिलाई। छत्तीसगढ़ में पासपोर्ट के लिए पहचाने जाने वाले भारत सरकार विदेश मंत्रालय द्वारा अधिकृत पूर्व पासपोर्ट एजेंट प्रतिनिधि श्रीकांत जैन ने बताया कि वे पिछले 1995 से पासपोर्ट व ट्रेवल्स बिजनेस जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि नए पासपोर्ट और इससे संबंधित किसी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं।

तत्काल पासपोर्ट सिर्फ 2 से 10 दिनों में और नार्मल पासपोर्ट 30 से 35 दिनों पर प्राप्त हो जाता है। पासपोर्ट, एयर टिकट, पैकेज टूरस जैसी सेवाओं के लिए सड़क 20, स्मृति नगर भिलाई स्थित ऑफिस मोदीकेयर डीपी स्टोर पर संपर्क कर सकते हैं या फिर हेल्प लाइन नंबर



98271-16933, 94791-74525 पर संपर्क कर सकते हैं। जैन ने बताया कि उनकी अन्य कोई और दूसरी शाखा नहीं है। संस्था में एयर टिकट, होटल बुकिंग और थाईलैंड बैंकाक पटना, सिंगापुर, मलेशिया, मारीशस, दुबई, यूरोप आदि के पैकेज टूरस विशेष उपहार के साथ उपलब्ध है। श्रीकांत जैन ने बताया कि पासपोर्ट ट्रेवल के साथ मोदीकेयर बिजनेस भी कर रहे है। टीम वर्क के लिए बिजनेस पार्टनर की तलाश कर रहे है। अगर किसी प्रकार की अतिरिक्त आय इनकम के बारे पर सोच रहे है तो व्यवसायिक अवसर के बारे में जानकारी अवश्य लें।

युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही लक्ष्य इंस्टिट्यूट



ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कुशल डिजाइनरों की मांग लगातार बढ़ रही है। संस्था द्वारा विद्यार्थियों को पोस्टर डिजाइन, फोटो एडिटिंग, लोगो डिजाइन, सोशल मीडिया क्रिएटिव और डिजिटल डिजाईनिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। व्यापारिक संस्थानों और कंपनियों में अकाउंटिंग कार्यों के लिए प्रशिक्षित युवाओं की हमेशा आवश्यकता रहती है। संस्था द्वारा संचालित टैली अकाउंटिंग कोर्स में विद्यार्थियों को अकाउंटिंग, जीएसटी, बिलिंग और डिजिटल लेखांकन का प्रशिक्षण दिया जाता है। तकनीकी क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए कंप्यूटर हाईवेयर एवं नेटवर्किंग कोर्स अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इस कोर्स में विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, नेटवर्किंग, सिस्टम इंस्टॉलेशन तथा तकनीकी समस्याओं के समाधान का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था विद्यार्थियों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयीय कोर्सों जैसे डीसीए और पीजीडीसीए के लिए भी प्रेरित करती है।

पूर्व एल्टरमेन तरुण बंजारे के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बिजली विभाग को सौंपा ज्ञापन

इंडेरा में अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान, रोजाना घंटों तक बंद रहती है सप्लाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► उर्दई

नगर निगम रिसाली अंतर्गत ग्राम इंडेरा में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को नगर निगम रिसाली के पूर्व एल्टरमेन तरुण बंजारे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण रिसाली बिजली कार्यालय पहुंचे और सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की बिजली समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि इंडेरा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से प्रतिदिन एक से दो घंटे तक बिना सूचना बिजली बंद की जा रही है। भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली बाधित होने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। घरों के कार्यों के साथ पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व एल्टरमेन तरुण बंजारे ने कहा कि इंदिरा नगर

खराब ट्रांसफॉर्मरों को जल्द सुधार करने की मांग की



स्थित ट्रांसफॉर्मर पिछले छह महीनों से बंद पड़ा हुआ है, जिसके कारण आसपास के रहवासियों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं

मिल पा रही है। वहीं गायत्री नगर में स्थापित ट्रांसफॉर्मर पर अत्यधिक लोड होने से वह दोपहर और रात के समय बार-बार बिजली

नवतपा की भीषण गर्मी में भी युवा जुटे हैं धरती का श्रृंगार करने में



सेलूद। ग्राम सेलूद के युवा नवतपा के भीषण गर्मी में भी धरती का श्रृंगार करने जुटे हैं। धान खरीदी केन्द्र सेलूद में पहले एक भी पेड़ नहीं था लेकिन सभी युवाओ ने अपने जन्मदिन पर इस स्थान पर पौधे लगाने की शुरुआत छह वर्ष पहले की और आज उस स्थान पर सैकड़ों पेड़ पौधे पुष्पित व पल्लवत होकर किसानों को गर्मी में छाया प्रदान कर रहे है। लगातार छः बर्षों से अपने अपने जन्मदिन पर पौधे लगाकर धान खरीदी केन्द्र को हरा भरा बना दिये। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पुर्व अध्यक्ष जवाहर वर्मा ने अपने जन्मदिन पर डुमर के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर पुर्व जिला पंचायत सदस्य जयश्री वर्मा ,सरपंच खिलेश मारकंडे, उपसरपंच राकेश साहू, हेमंत कपूर, प्रज्ञा वर्मा, सुरेंद्र शर्मा, बलराम वर्मा, किशन हिरवानी, बलराम यादव, बल्लू राॅय, अजयसिंह राजपुत और रोमन वैष्णव सहित अन्य उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी का असर



हरिभूमि न्यूज़ ►► अंडा

दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच वीबी जी राम जी मनरेगा के तहत कार्य कर रहे मजदूर दिनभर मेहनत करने के बाद काम बंद होने पर अपने-अपने घरों की ओर लौटते नजर आए। ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही तेज धूप के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मनरेगा कार्यस्थलों पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष मजदूर रोजगार कार्यों में जुटे हुए हैं। गर्मी से बचने

के लिए मजदूर सिर पर गमछा और कपड़ा बांधकर काम कर रहे हैं। काम समाप्त होने के बाद मजदूर पैदल, साईकिल एवं अन्य साधनों से गांव की ओर लौटते दिखाई दिए। ग्रामीण मजदूरों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के कारण काम करना कठिन हो गया है, लेकिन परिवार के समय ताम्पान अधिक बढ़ रही है से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मनरेगा कार्यस्थलों पर पीने के पानी, छांव एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मजदूरों को राहत मिल सके।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान और बिदाई समारोह आज

सेलूद। विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संकुल समन्वयक एवं कार्यालय कर्मचारी का बैठक आयोजन किया गया। जिसमें विकास खंड स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए समिति गठन किया जिसमें संरक्षक विकास खंड शिक्षा अधिकारी अध्यक्ष महेंद्र बहादुर, उपाध्यक्ष अशोक सिन्हा, सचिव टिकैद वर्मा, कोषाध्यक्ष हरिशंकर देवांगन, उपकोषाध्यक्ष संजय खिलाडी सह सचिव इंदु सोनकर, सलाह कार

मिलाई हरिभूमि 11

रानीतराई थाना क्षेत्र में अवैध शराब और गांजा पर अभी भी नियंत्रण नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►►पाटन

शासन प्रशासन की मिलीभगत के कारण पाटन विकासखंड में अवैध शराब,गांजा एवं अवैध उत्खनन की बिक्री जोरों से चल रही है।जिसमें उच्च अधिकारियों की मिलीभगत से यह कार्य संभव हो रहा है।

विदित हो कि गत महीनों से रानीतराई थाना अंतर्गत क्षेत्र में

- ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा लगातार ज्ञापन सौंपने के बाद भी कार्यवाही शून्य

ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्यवाही एवं निराकरण की मांग लगातार की जा रही है लेकिन आज तक शासन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों ने बताया कि असोगा के शराब दुकान से खुलेआम नहर पर से लगातार अवैध शराब पुलिस के संरक्षण में भारी मात्रा में आसानी से विक्रेताओं के घर पहुंच रहे है।निरंतर स्थिति भयावह और अवैध कारोबारियों का होसला बुलंद होती जा रही है।रानीतराई थाना में पदस्थ

हवलदार श्याम सिंह राजपूत की अवैध कार्यों में संलग्नता के बारे सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेताओं द्वारा शिकायत पेश किया गया था,जिससे क्षेत्र की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। कोही के सुशासन त्तिहार में जनपद सदस्य रश्मि भेदप्रकाश वर्मा, भाजपा महामंत्री निर्मल जैन, सरपंच सत्यनारायण टिकरिहा ने लिखित शिकायत दर्ज के बाद भी आज तक कार्यवाही नहीं हुई। जिससे क्षेत्र में जन आक्रोश बढ़ रहा है,जल्द निराकरण नहीं होने पर 1 जून को जन आंदोलन की तैयारी में जुटे है।

आमजन त्रस्त और हताश

“ गाजा की टिपल इगन सरकार ने अवैध शराब, खनन एवं नशा के कारोबार को पुरा संरक्षण मिल रहा है, जिससे आमजन त्रस्त एवं हताश है।

अशोक साहू, पूर्व निप उपाध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि

सरकार खरा नहीं उतर रही

“ अवैध कार्यों में शासन एवं प्रशासन की उपेक्षा तथा चरम सीमा पर है, जन आक्रोशों पर सरकार खरा नहीं उतर रही है।

राजेश ठाकुर,

लॉक कोलेज अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा को किया गया याद, दी गई श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज़ ►►जामगांव आर

समीपस्थ ग्राम कुम्हली निवासी केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का निधन 3 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने योग आयोग अध्यक्ष की शपथ दिलाई थी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक पारिवारिक पृष्ठ भूमि के पुरुषार्थी दूरदृष्टा अत्यंत मिलनसार रूपनारायण सिन्हा की खबर से पूरा जामगांव आर पाटन क्षेत्र सहित छत्तीसगढ़ के सभी चिरपरिचित स्तब्ध है। छत्तीसगढ़ प्रदेश को योग के माध्यम से निरोग बनाने का संकल्प लेकर रात दिन मेहनत करने वाले रूपनारायण सिन्हा ने ठीक एक साल पूर्व योग प्रचार समिति मार्गदर्शक मंडल गठित कर पाटन ब्लॉक से शिक्षा विद आसकरण जैन और जनपद सभापति प्रणव शर्मा के शासन किया थे। उल्लेखनीय है कि दीपावली और होली मिलन समारोह में श्री सिन्हा जामगांव आर पहुंचकर अपने से अंतरंग हुए थे उपहार भेंट किए थे। इनकी तस्वीर अब यादों में रह गई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ छत्तीसगढ़ के प्रथम प्रांत प्रचारक स्मृति



शेष शांताराम सराफ के अत्यंत करीबी स्वयंसेवक स्मृति शेष बिसोहा राम सिन्हा के घर धमतरी में जन्मे श्री सिन्हा का बचपन संघ के संस्कारों में बीता। पिता निष्ठावान स्वयंसेवक थे। 18 साल की उम्र में संघ का प्रशिक्षण लिया और 24 साल की उम्र में प्रचारक बनकर जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। युवावस्था से ही वे

सत्यानंद योग परंपरा से जुड़े और स्वामी सत्यानंद सरस्वती से गुरु दीक्षा ली।

अध्यक्ष बनते ही उन्होंने योग को गांव-गांव पहुंचाने का संकल्प लिया। उनका कहना है कि प्रेश के 35-40 हजार योग योग्यताधारियों को शासकीय भर्तियों में पेशगी प्राथमिकता मिलेगी। स्कूल, छात्रावास और जनजातीय क्षेत्रों में योग प्रशिक्षक तैयार किए जा रहे हैं। अस्पताल, जेल, दिव्यांग स्कूलों में भी योग शिक्षकों की भर्ती होगी। श्री सिन्हा स्वस्थ जीवन के लिए राशन, आसन, भाषण और शासन का चार सूत्र देते थे। यानी सही खानपान, नियमित योग, संवमित वाणी और अनुशासित जीवनशैली। उनका लक्ष्य है योग के माध्यम से छत्तीसगढ़ को 'निरोग राज्य' बनाना।



सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरी बालिकाओं को लगाया जा रहा एचपीवी टीका

अण्डा। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग के आदेशानुसार तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी दुर्ग (निकुम) के मार्गदर्शन में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरी बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी है। इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की सभी किशोरी

- निकुम स्वास्थ्य केंद्र में 99 बालिकाएं हुई टीकाकृत

बालिकाओं को जिले के सामुदायिक, सिविल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में मंगलवार 26 मई 2026 को 08 किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया गया। वहीं अब तक कुल 99 किशोरी बालिकाओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव में प्रभावी माना जाता है। शासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ रही है और अभिभावकों में उत्साह देखा जा रहा है। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में खण्ड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी जी.आर. भूआर्य, सेक्टर सुपरवाइजर तुलसी राम यादव, ललीता वर्मा, उषा देशमुख, रत्ना कुहिकर, स्टाफ नर्स जेस्सी चेरियन, नागवंशी सहित सेक्टर के सभी कर्मचारियों एवं मितानिनों का सहयोग रहा।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALTY HOSPITAL
PAIN | PANCHABHMA | PILES | PEDA | GYNAX | SKIN

> **घात रोग** > **मुट्ते के दर्द** > **पीत व ककर दर्द** > **रक्तमिष्रकटित** > **रिनायोट के दर्द**

> **साइटिका** > **गोल्फ एक्चो** > **प्रोक्चर रोग** > **शरीर मे जकड़न**

कैंसर, स्त्री, बालरोगों के सभी प्रकार के दर्द का उपचार

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टॉकीज़ के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ☎ 9826446666

9 सेक्टर - 7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) ☎ 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic. Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center

समन्वयक डॉक्टर सभी बीमारियों का इलाज

विना चीरकाड़ के बावरीर (पाइरस), फिस्टुला (गमंडर) फिस्टा, पिलोनिडस आइडस का

सैजुर मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आंतरिक की सुविधा

लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130



खबर संक्षेप

वार्ड 59 हरिनगर में 16.38 लाख से बनेगा नाली और पुलिया, हुआ भूमिपूजन
दुर्गा। वार्ड 59 कातुलबोर्ड हरिनगर क्षेत्र में बनेडाले डेयरी के पास एवं गंगा सिरमौल घर तक आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार ने किया। कार्य की लागत राशि 16.38 लाख रुपये है। कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नाययण चन्द्राकर, पार्षद नीलम शिवेंद्र परिहार, रंजीता पाटिल, सुरूचि उमरे, युवराज कुंजाम, अरुण सिंह, शिवेंद्र परिहार, मनमोहन शर्मा, करण करोसिया सहित अन्य मौजूद थे। बाघमार ने कहा कि बाई में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है। इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को जलभराव एवं आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान बाई के नागरिकों ने विकास कार्य स्वीकृत कराने पर महापौर एवं निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र की साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि वार्डवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण निगम की प्राथमिकता है तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में वित्तीय और शैक्षणिक अनियमितता, शिकायत

हरिभूमि न्यूज »» मिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका को पत्र लिखकर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. संजय तिवारी के खिलाफ कथित वित्तीय, प्रशासनिक व शैक्षणिक अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच कराने और कार्रवाई किए जाने की मांग की है। विधायक देवेंद्र यादव ने अपने पत्र में कहा है कि विश्वविद्यालय में लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं और कई मामलों में नियमों की अनदेखी कर निर्णय लिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य और विश्वविद्यालय की साख पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि मार्च 2026 में लगभग 12 लाख रुपए से अधिक की उत्तरपुस्तिकाओं की खरीदी के लिए निविदा प्रक्रिया अपनाई गई थी, लेकिन बाद में कुलपति द्वारा एक निजी फर्म के पक्ष में अर्द्धशासकीय पत्र जारी कर कार्य आवंटित किया गया और लगभग 40 लाख रुपए से अधिक का भुगतान भी किया गया। विधायक ने इसे शासकीय निविदा प्रक्रिया एवं वित्तीय नियमों के विपरीत बताया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा एमबीए, एमसीए और पीजीडीबीएम सहित आठ नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए निरीक्षण कराया गया, जबकि इसके पूर्व राज्य शासन से आवश्यक अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। साथ

वार्षिक आमसभा आज

भिलाई। मानिकपुरी पनिका समाज जेपी नगर कैम्प-2 भिलाई का वार्षिक आमसभा, पदाधिकारी चुनाव 29 मई को आयोजित है। अध्यक्ष गंगाबाई ने सामाजिक लोगों से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है। **सुरक्षा अभियांत्रिकी ने किया जागरूक** भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षित क्रेन संचालन एवं रखरखाव विषय पर कार्यपालकों हेतु लाज्ज इंटरैक्शन का आयोजन मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में किया गया। जीएम पी. सत्पथी मुख्य वक्ता थे। उन्होंने प्रतिभागियों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन, दुर्घटना रोकथाम तथा उपकरणों के रखरखाव के प्रति जागरूक किया।

स्टेकहोल्डर्स से चर्चा किए बिना प्रबंधन न ले कोई निर्णय

सेक्टर-9 अस्पताल के निजीकरण से महंगा हो जाएगा इलाज, कर्मचारियों में असंतोष

हरिभूमि न्यूज »» मिलाई

सेक्टर 9 हास्पिटल (जेएलएनएच) के निजीकरण की प्रक्रिया तेज होने के साथ ही यूनियनों ने इसके खिलाफ प्रबंधन पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। हिंदुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन द्वारा निजीकरण के खिलाफ सभी संगठनों को एकजुट किया जा रहा है। यूनियन ने बीएसपी प्रबंधन से मांग की है कि वर्तमान समय में संयंत्र कर्मियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा आम नागरिकों के बीच यह आशंका लगातार बढ़ रही है कि अस्पताल के संचालन अथवा प्रबंधन को निजी हाथों में सौंपने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। जनहित में पारदर्शित बरतने के लिए सभी स्टैक होल्डर्स से चर्चा की जाए। सीटू ने बीएसपी के औद्योगिक संबंध विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल थोटे के माध्यम से कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन को पत्र व उसकी प्रतिलिपि

ये हैं वास्तविक स्टेकहोल्डर

सीटू ने कहा कि सेक्टर 9 हास्पिटल के वास्तविक स्टेकहोल्डर संयंत्र के कार्यरत कर्मचारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके आश्रित, ठेका श्रमिक, अस्पताल के डॉक्टर एवं कर्मचारी, विभिन्न ट्रेड यूनियन, सामाजिक संगठन, स्थानीय नागरिक तथा जमप्रतिनिधि हैं। यदि सभी स्टेक होल्डर्स से चर्चा और सहमति के बिना निजीकरण का निर्णय लिया जाता है, तो यह पारदर्शित एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत माना जाएगा।

डायरेक्टर इंचार्ज को सौंप कर मांग की है कि अस्पताल से संबंधित किसी भी निर्णय से पहले सभी स्टेकहोल्डर्स की बैठक बुलाकर चर्चा की जाए तथा प्रबंधन अपनी वास्तविक योजना सार्वजनिक करें। सेक्टर-9 अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं,

सीटू ने बीएसपी के ईडी को सौंपा झापान



अस्पताल बचाने होगी सामूहिक पहल

सीटू ने बताया कि संवाद और सामूहिक भागीदारी के माध्यम से ही सेक्टर-9 अस्पताल को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रबंधन अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। ऐसा कोई कदम न उठाया जाए जिससे अस्पताल के सार्वजनिक स्वरूप एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

बल्कि लाखों लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार है। इस अस्पताल से बीएसपी के हजारों नियमित कर्मचारी, ठेका श्रमिक, सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके परिवार तथा आसपास के आम नागरिक इलाज पर निर्भर हैं। सेक्टर अस्पताल अपेक्षाकृत सस्ती और

सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है। इसे निजी हाथों में सौंपा जाता है, तो उपचार महंगा होने, व्यावसायिक लाभ की प्राथमिकता मिलने तथा गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों की पहुंच सीमित हो जाएगी। इससे व्यापक असंतोष की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

आईटी पार्क का 31 को मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज »» दुर्ग

दुर्ग शहरवासियों को जल्द ही खेल और तकनीकी संस्था की बड़ी सौगात मिलने जा रही हैं। आगामी 31 मई को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दुर्ग प्रवास पर रहेंगे, इस दौरान आईटी पार्क और स्विमिंग पुल का लोकार्पण कर चुनाव में दुर्ग की जनता से किये अपने वादों पूरा करेंगे। शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आईटी पार्क बनकर तैयार हो चुका है, जिसका लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से किया जाएगा। यह आईटी पार्क दुर्ग को तकनीक, नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। आईटी पार्क दुर्ग के विकास में मिल का पथर साबित होगा। इसके स्थापित होने से दुर्ग का व्यापार और अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। इसी कड़ी में शहरवासियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्विमिंग पूल भी तैयार किया गया है, जिसका लोकार्पण भी मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जाएगा।



आईटी पार्क से जुड़ेंगे युवा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कलेक्टर अभिजीत सिंह, आईआईटी डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश, निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं पीडब्ल्यूडी की टीम के साथ आईटी पार्क स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिये तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मौके पर उपस्थित इंजिनियरों की टीम ने बताया कि सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। निरीक्षण के दौरान निमाण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी सुविधाओं एवं आम नागरिकों के उपयोग को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मंत्री श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दुर्ग शहर को आधुनिक और सुविधायुक्त शहर के रूप में विकसित करने लगातार कार्य कर रही है। यादव ने कहा कि आईटी पार्क के खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

गिर रहा भूजल का स्तर पब्लिक हो रही परेशान



दुर्ग। शहर में लगातार गहराते जलसंकट ने चिंता बढ़ा दी है। भूजल का स्तर गिर रहा है, नलकूप सूख रहे हैं। इस वजह से शहर के अधिकांश हिस्सों में पब्लिक पानी को लेकर परेशान हो रही है। बोरसी, पोटिया, उगड़ाबांध, दीपक नगर और कातुलबोड जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा परेशानी है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि शहर के कई तालाबों का जलस्तर तेजी से घट रहा है, जबकि अधिकांश बोर या तो सूख चुके हैं या खराब पड़े हैं। इस समस्या को लेकर पूर्व विधायक अरुण बोरा ने नगर निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नलों की पतली पानी की धार व निस्तारी के लिए पानी का अभाव से शहर की जनता जलसंकट से जूझ रही है। सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता आशुतोष सारस्वत ने बताया कि निगम द्वारा पानी की मांग का पत्र नहीं भेजा गया है। अगर मांग की जाती तो हम नहरों के माध्यम से नदी व तालाबों के लिए पानी छोड़ा जाएगा। बोरा ने बताया कि पद्मनाभपुर के आसपास 10 वार्डों के बोर का जलस्तर नीचे चला गया है। शहर के 24 तालाबों का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिससे तालाबों के आसपास रहने वाले लोगों के सामने निस्तारी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि बोरसी, पोटिया, उगड़ाबांध, दीपक नगर और कातुलबोड जैसे क्षेत्रों के तालाबों में समय पर पानी भरने का काम शुरू नहीं किया गया।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार



द्वितीय उपहार
3 नग बाईक



तृतीय उपहार
10 नग LED TV



चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज



पांचवा उपहार
8 नग वाशिंग मशीन



छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा



सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन



आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग



नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट



दसवां उपहार
600 नग लंच वाक्स



ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को लाइवता उपहार



विश्व की सबसे बड़ी... यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसंबर 2026 की अवधि के लिए है।

- हरिभूमि के नए पुराने पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं।
- महालक्ष्मी भग. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा।
- इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे।
- योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) शिफारस होंगे।
- फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे।
- राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे।
- सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आसकर के नियम व शर्त मान्य होंगी।
- हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
- किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा।
- विजय में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं।
- हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेढ़ी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740

पंडवानी गायिका तीजन की तबीयत बिगड़ी, एम्स में कराया गया भर्ती

हरिभूमि न्यूज »» मिलाई

पिछले दो साल से अस्वस्थ चल रही प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई की तबियत अधिक बिगड़ने पर उन्हें गंभीर स्थिति में एम्स हास्पिटल रायपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उन्हें शरीर में पानी की कमी और लूज मोसन व फेफड़े में इन्फेक्शन की शिकायत होने पर अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। डाक्टरों व परिजनों के मुताबिक उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं।

अपने गृहग्राम गनियारी में दो साल पूर्व पैरालाइज अटैक आने के बाद लगातार अस्वस्थ चल रही तीजन बाई के स्वास्थ्य में पिछले दो दिन पूर्व गिरावट आ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ, पानी की कमी, कमजोरी, निमोनिया और दस्त की शिकायत पर बुधवार को परिजनों द्वारा यहां भिलाई 3 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टरों को खबर की गई। स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. शिखर अग्रवाल सहित आरएमओ आकांक्षा कुशवाहा, स्टाफ नर्स पूलस व चिकित्सका कर्मी हिमांशु की पैरामेडिकल टीम द्वारा उनके चेकअप के बाद गंभीर स्थिति में दोपहर करीब 1 बजे अखिल भारतीय आर्युर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में भर्ती कराया गया। डाक्टरों और परिजनों के मुताबिक तीजन बाई के स्वास्थ्य परीक्षण बाद शरीर में पानी की कमी से पेंचिस (लूजमोसन) के साथ फेफड़े में इन्फेक्शन से निमोनिया, खून की कमी और कमजोरी के साथ यूरिन नहीं होने की समस्या अस्पताल ले जाने के दौरान बनी हुई थी।



■ डाक्टरों ने बताया स्वास्थ्य में हो रहा सुधार

डाक्टरों के मुताबिक एम्स में उनके बीपी हार्ट बीट और लेंस आदि के टेस्ट के बाद आज उनके स्वास्थ्य में आशाजनक सुधार हो रहा है। वे हल्का आहार भी ले रही हैं। और खतरे से बाहर हैं। डाक्टरों की सतत निगरानी में तीजन बाई का उपचार चल रहा है। अस्पताल में तीजन बाई की बहू रेणू, नाती सौरभ, जीवन और मेनका आदि परिजन तीमारदारी में जुटे हुए हैं। रेणू ने बताया कि डॉ. सिद्दीकी सहित वरिष्ठ डाक्टरों की टीम तीजन का बेहतर इलाज कर रहे हैं। उनका स्वास्थ्य में पहले से सुधार बता रहे हैं। गौरतलब हो कि दो साल पूर्व पंचविभूषण से सम्मानित तीजन बाई को अचानक पैरालाइस अटैक आने के बाद वे लगातार बिस्तर पर हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम व बीएसपी सेक्टर नौ हास्पिटल के डाक्टरों के साथ परिजन उनकी सेवासुश्रुचा में जुटे हुए हैं। भिलाई दुर्ग के लोक कलाकारों ने छत्तीसगढ़ व देश की गौरव अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका तीजन बाई के जल्द स्वस्थ व दीर्घायु की कामना की है।

बीएसपी कर्मियों को जल्द दें लाइसेंसी आवास

हरिभूमि न्यूज »» मिलाई

स्टील इंप्लाइज यूनियन इंटक बीएसपी प्रबंधन से संयंत्रकर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर लायसेंसी आवास आवंटन को फिर से चालू किए जाने की मांग की है। इससे रिटायर कर्मचारियों को आवास के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। बीएसपी के राजस्व में वृद्धि और कर्मियों के मनोबल के साथ प्रबंधन का सामाजिक सरोकार का उद्देश्य भी पूरा होगा। यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने महासचिव संजय कुमार साहू के नेतृत्व में बीएसपी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) के नाम वरिष्ठ प्रबंधक औद्योगिक संबंध एवं ठेका प्रकोष्ठ राहुल थोटे को झापन सौंपकर कर्मियों के हित में लायसेंस आवास आवंटन योजना पुनः शुरू करने की मांग की। कर्मचारियों ने अपने



कर्तव्यों का कर्मठता निर्वहन करते हुए संयंत्र को ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए पूर्व में 600 वर्ग फीट चिन्हित आवास एवं 400 वर्ग फीट तक के आवास लाइसेंस के आधार पर उपलब्ध कराए जाते थे। लेकिन औद्योगिक संबंध एवं ठेका प्रकोष्ठ राहुल थोटे को झापन सौंपकर कर्मियों के हित में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मी मानसिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। परेशानी को

देखते हुए सेवानिवृत्तों को 600 वर्ग फीट तक के आवासों बेहतर लाइसेंस स्कीम को पुनः प्रारंभ किया जाए। श्री साहू ने कहा कि70 साल पुराने आवास को तोड़कर बीएसपी कर्मचारियों के लिए 3 बीएचके सर्वसुविधायुक्त नए मल्टीस्टोरी आवासों का निर्माण भी जल्द प्रारंभ किया जाए।प्रतिनिधि मंडल में जी आर सुमन सुरेश श्याम कुवर रेशम राठौर रमन मूर्ति ताम्रध्वज सिन्हा सीपी वर्मा गुरुदेव साहू राजकुमार गोविंद राठौर, सिसोदिया मनोज कुलदीप आदि पदाधिकारी शामिल थे।



सुबह 7 बजे से शुरू हुआ ईद की....

लाइव इवेंट

संस्कृति को जीवित रखने बालिकाओं को सिखाए संस्कार और अफसर बनने के गुर



भिलाई। महाकौशल बालिका शिविर ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी गतिविधियों से परिपूर्ण रहा। जहां बालिकाएं एक ओर यूपीएससी टॉपर से मिलकर प्रशासनिक सेवा की प्रेरणा ली, दूसरी ओर संस्कार और संस्कृति के विशेष सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में अरिहंत सिंघी उपस्थित रहे। इस दौरान शिविरार्थियों ने अफसर बनने के गुर सीखे, वहीं शाम को धार्मिक म्यूजिकल अंताक्षरी में सुर मिलाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। आईआरएस अफसर ने यूपीएससी पास करने का रोडमैप बताया। विशेष सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राजनांदगांव के अरिहंत सिंघी 2017 में सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय 322वाँ रैंक हासिल कर आईआरएस चुने गए, वर्तमान में वे अहमदाबाद में डिप्टी कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स के पद पर कार्यरत हैं। उत्कृष्ट जांच के लिए उन्हें डायरेक्टर जनरल ऑफ इनकम टैक्स, गुजरात द्वारा प्रशस्ति पत्र भी मिल चुका है। उन्होंने बालिकाओं को एजाम की पूरी प्रक्रिया, तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास का महत्व समझाया। श्री सिंघी ने कहा कि बड़े लक्ष्य तय करो। गांव-कस्बे की बेटियां भी कलेक्टर-कमिश्नर बन सकती हैं, बस संकल्प मजबूत होना चाहिए। संस्कार की क्लास भी लभगी : शिविर में सिर्फ पढ़ाई नहीं, जिंदगी जीने का सलीका भी सिखाया जा रहा है। बालिकाओं को खुद भोजन परोसना, थाली में जूठन न छोड़ना, अनन्य व्यर्थ न करना और अनुशासन में रहकर सामूहिक जीवन जीने के संस्कार दिए जा रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि अफसर बनने से पहले अच्छा ईसान बनना जरूरी है।



लाइव इवेंट

रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग में सम्मान समारोह



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग द्वार हुए शाबाश सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उत्पादन, अनुसंधान, सुरक्षा, परिचालन विश्वसनीयता में योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। एसएमएस-2, एसएमएस-3, ब्लास्ट फर्नेस, टॉरपीडो लैंडल, मिल्स, मैकेनिकल ग्रुप, प्लानिंग एवं सुरक्षा अनुभाग सहित विभिन्न परिचालन इकाइयों के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। क सेप्टी स्टुअर्ट गोविंद का विशेष सम्मान हुआ। मुख्य महाप्रबंधक प्रोसेसजीत दास एवं महाप्रबंधक आर गोपालकृष्णन ने कहा कि कर्मचारियों को प्रबंधन एवं संविदा कार्यबल के मध्य एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक राकेश सिंह ने किया।



पर्यावरण संरक्षण पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन 5 जून को, रजिस्ट्रेशन 30 मई तक

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन 5 जून को सुबह 6 बजे से किया जाएगा। तीन श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता का यह 17वां वर्ष है। संस्था की अध्यक्ष शानू मोहनन ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय जल-जमीन-जंगल बचाओ, जीवन में खुशहाली लाओ रखा गया है। प्रतियोगिता कक्षा 1 से 5वीं, कक्षा 6 से 8वीं और कक्षा 9 से 12वीं इन तीन श्रेणियों में होगी। संयोजिका अभिलाषा मिश्रा ने कहा कि हर श्रेणी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के साथ-साथ हर प्रतिभागी बच्चे को प्रमाण पत्र और मेडल दिया जाएगा। बच्चों को हासला बढ़ाने के लिए स्नैक्स व पानी की व्यवस्था भी रहेगी। निर्णायक मंडल का फैसला आने के आधे घंटे भीतर ही पुरस्कार वितरण कर दिया जाएगा। प्रतियोगिता वार्ड नंबर 6 रुवाबांधा सेक्टर के बंगाली दुर्गा पंडाल के डोम शेड, नारी जागरण केंद्र, स्वर्गीय वेणुगोपाल नायर परिसर में सुबह 6 बजे शुरू होगी। ड्राइंग शीट, कलर, पट्टा आदि सामग्री छात्र-छात्राओं को स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन 17 मई से शुरू हो चुका है और 30 मई तक चलेगा।

केंद्रीय विद्यालय में दिखी लोकगीत, पारंपरिक खेल और भाषाई विविधता

लघु भारत में दिखा भाषाओं का महाकुंभ, छत्तीसगढ़ी व्यंजन से वरली आर्ट तक, बच्चों ने जाना कश्मीर से कन्याकुमारी तक का भारत

भिलाई। जब एक मराठी बच्चा तेलुगु में नमस्कारम बोले, असमिया छात्र छत्तीसगढ़ी लोकगीत गाए और पंजाबी छात्र उड़िया नृत्य पर झूमे, तो समझ लीजिए कि एक भारत श्रेष्ठ भारत सिर्फ नारा नहीं, संस्कार बन रहा है। केंद्रीय विद्यालय में सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा प्रशिक्षण शिविर का समापन इसी सांस्कृतिक समरसता के रंगों के साथ हुआ। विद्यालय परिसर भारतीय संस्कृति, भाषाई विविधता और पारंपरिक लोकजीवन के रंगों से सराबोर दिखाई दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी व्यंजन, लोकगीत, पारंपरिक खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय भाषाओं और संस्कृति के प्रति अपने जुड़ाव को अभिव्यक्त किया।



भाषा से संस्कृति तक का सफर, खेले पारंपरिक खेल

शिविर के सातों दिन भाषा को सिर्फ शब्द नहीं, संस्कृति का सेतु बनाकर सिखाया गया। पहले दिन तेलुगु, मराठी और छत्तीसगढ़ी में अभिवादन, संख्याएं और वर्णमाला से शुरुआत हुई। दूसरे दिन खेल और शरीर से जुड़े शब्दों की गतिविधियों के जरिए समझाया गया। तीसरे दिन मलयालम और उड़िया भाषा के साथ बच्चों ने वरली आर्ट बनाई, मलयालम लोकनृत्य सीखा और उड़िया गीतों पर सुर मिलाए। चौथे दिन मराठी खान-पान और बोलचाल का अभ्यास हुआ। इसके बाद भी लोकसंस्कृति, पारंपरिक गीत, कला रूपों और व्यवहारिक संवाद की कक्षाएं चलती रहीं। अंतिम दिन बिल्लस, पिठु जैसे पारंपरिक खेल और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्वाद के साथ शिविर संपन्न हुआ।

भाषा केवल संवाद नहीं, संस्कृति और संवेदनाओं का सेतु, लघु भारत की पहचान

शिविर के मुख्य प्रभारी संजय चुवेंदे ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए भारतीय भाषाओं की प्रमुख भूमिका है। विद्यालय भी एक लघु भारत है, जहां गुजराती, असमिया, मराठी, तेलुगु, मलयालम, उड़िया समेत देशभर की भाषाएं बोलने वाले बच्चे एक साथ पढ़ते हैं। ऐसे समय में जब भाषा के नाम पर समाज में दूरियां बढ़ रही हैं, ये शिविर समरसता की पाठशाला बनकर उभरा। कार्यक्रम के दौरान संयोजक पुरुषोत्तम साहू ने कहा कि भाषा केवल संवाद नहीं, संस्कृति और संवेदनाओं का सेतु है। हमारा उद्देश्य बच्चों में राष्ट्रीय एकता का भाव जगाना था। प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने कहा भारतीय भाषाओं का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत बचाने जैसा है। बच्चे जितनी भाषा सीखेंगे, भारत उतना मजबूत होगा। वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अजय आर्य ने कहा कि जब हम किसी की भाषा सीखते हैं तो उसकी भावनाएं भी समझने लगते हैं। यही भाईचारे की असली नींव है। शिक्षिका रचना पाल ने बच्चों को छत्तीसगढ़ी लोकपरंपराओं से जोड़ा तो संगीत शिक्षिका डॉ. श्रावणी सिंह ने जैसे पारंपरिक खेल और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्वाद के साथ शिविर संपन्न सहित सभी शिक्षकों की सक्रिय भूमिका रही।

बच्चों ने बांटे अनुभव, कहा संस्कृति पर गर्व

शिविर के दौरान बच्चों ने अपने अनुभव शेयर करते हुए दीपांशु वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ी लोकगीत और पारंपरिक खेल सबसे रोचक लगे। राम ने कहा अलग-अलग भाषाएं जानकर भारत की सुंदरता समझ आई। गोपाल साहू और याचिका साहू को छत्तीसगढ़ी व्यंजन भाए। निशांत साहू को नई भाषा के साथ नए दोस्त मिले। अर्जुन शर्मा ने पारंपरिक खेलों को आनंददायक बताया। प्रवीण सेन को अपनी स्थानीय संस्कृति पर गर्व हुआ तो अनुग्रह प्रधान ने कहा, कैप में बहुत कुछ सीखने को मिला कार्यक्रम का समापन संजीव भदौरिया के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने इसे भाषाई एकता और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।



व्यवहारिक संवाद शैली से हुए परिचित

सात दिवसीय शिविर के दौरान विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं संस्कृतियों से संबंधित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस पर तेलुगु, मराठी एवं छत्तीसगढ़ी बोली के अंतर्गत विद्यार्थियों को अभिवादन, संख्याएं एवं वर्णमाला से परिचित कराया गया। द्वितीय दिवस पर खेल एवं शरीर से संबंधित शब्दावली और गतिविधियां आयोजित की गईं। तृतीय दिवस पर मलयालम एवं उड़िया भाषा के अंतर्गत चित्रकला गतिविधि के रूप में वरली आर्ट

का प्रशिक्षण के साथ ही मलयालम लोकनृत्य एवं उड़िया गीतों से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया। चौथे दिन मराठी भाषा के अंतर्गत पारंपरिक खान-पान, संस्कृति एवं सामान्य बोलचाल का अभ्यास कराया गया। सातों दिन विद्यार्थियों को विभिन्न भारतीय भाषाओं, लोकसंस्कृतियों, पारंपरिक गीतों, कला रूपों एवं व्यवहारिक संवाद शैली से परिचित कराया गया। अंतिम दिवस पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक खेलों में भाग लिया तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ शिविर का समापन किया गया।

नेशनल कूडो चैंपियनशिप में सात वर्षीय मीमांसा ने जीता गोल्ड मेडल

भिलाई। दुर्ग जिले की मीमांसा साहू ने पुणे में आयोजित राष्ट्रीय कूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम देशभर में रोशन कर दिया है। सिर्फ 7 साल की उम्र में मीमांसा के हासिले हिमालय से भी ऊंचे हैं। नेता जी सुभाषचंद्र बोस मिलिट्री स्कूल, फूलगांव पुणे, महाराष्ट्र में हुई नेशनल कूडो चैंपियनशिप में मीमांसा ने अपने वर्ग में सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खास बात यह है कि मीमांसा मात्र 3 साल की उम्र से कूडो सीख रही है। लगातार मेहनत और लगन का ही नतीजा है कि इतनी कम उम्र में वह राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रही है। मीमांसा ने नेशनल लेवल पर पहले ही कई मेडल जीत चुकी है। पिछले वर्ष सूरत में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी उसने एक सिल्वर और एक कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। इस बार पुणे में सीधे गोल्ड पर निशाना साधकर मीमांसा ने साबित कर दिया कि वह लगातार बेहतर कर रही है। मीमांसा की इस उपलब्धि के पीछे उसके ट्रेनर श्री राजा कौशल एवं लिलिमा की कड़ी मेहनत और मार्गदर्शन रहा है। मीमांसा नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, बोरसी दुर्ग में कक्षा 2 की छात्रा है।



घर की चारदीवारी से निकलकर पशुपालन और नर्सरी से बदली तकदीर, यामिनी दें रहीं रोजगार

भिलाई। अवसर मिले तो महिलाएं सिर्फ घर नहीं, पूरे गांव की तस्वीर बदल सकती हैं। ग्राम चंगोरी की यामिनी वर्मा ने इसे सच कर दिखाया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर उन्होंने पशुपालन और नर्सरी का ऐसा कारोबार खड़ा किया कि आज वे दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। जागृति स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य यामिनी पहले सिर्फ घरेलू कामों तक सीमित थीं। सीमित आय से घर चलाना मुश्किल था। 11 सदस्यों वाले समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला। आरएफ और सी आईएफ राशि से उन्होंने पशुपालन और नर्सरी व्यवसाय शुरू किया। पशुपालन विभाग से यामिनी को 70 हजार की लागत वाली दो गायें मिलीं। विभाग ने चारा प्रबंधन, टीकाकरण और दुग्ध उत्पादन का प्रशिक्षण भी दिया। आज वे दूध, दही, छाछ बेचकर हर महीने 5 से 6 हजार रुपये कमा रही हैं। साथ ही समूह के सहयोग से शुरू की गई नर्सरी में फलदार, फूलदार और सजावटी पौधे तैयार कर आसपास के गांवों में बेचती हैं। इससे 10 से 15 हजार रुपये महीना अतिरिक्त आय हो रही है। दोनों व्यवसायों से यामिनी की मासिक आय 20 हजार के पार पहुंच गई है। आर्थिक मजबूती से बच्चों की पढ़ाई बेहतर हुई और घर की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। अब यामिनी गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। यामिनी का कहना है कि समूह से जुड़ने के बाद समझ आया कि हम महिलाएं भी कुछ कर सकती हैं। बस एक शुरुआत चाहिए।



इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026 में शानू मोहनन होंगी सम्मानित

भिलाई। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में 31 मई को इम्पैक्ट इंडिया समिट-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वरिष्ठ समाजसेविका शानू मोहनन को सम्मानित किया जायेगा। इस समारोह में देशभर के 100 अग्रणी एनजीओ को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। ये संगठन वास्तविक रूप से सामाजिक परिवर्तन और सुधारवादी आंदोलन के शिल्पकार हैं। सम्मान समारोह 31 मई को दोपहर 1 बजे से शाम साढ़े 4 बजे तक प्रीतमलाल दुआ ऑडिटोरियम एवं आर्ट गैलरी इंदौर में आयोजित होगा। स्वावलंबन एवं राष्ट्र निर्माण में प्रेरणा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था एवं वरिष्ठ समाजसेविका शानू मोहनन को इंदौर में सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के लिए संस्था के सदस्यों में डॉ. हंसा शुक्ला, राकेश नेमा, अभिलाषा मिश्रा, प्रदीप भट्टाचार्य, प्रीति परगनिहा, विजया पुष्पा चौहान, सोनम गुप्ता, भारती बेन, खुशबू सिंग, सुनंदा चंद्राकर, पप्पू चंद्राकर आदि ने शानू मोहनन को शुभकामनाएं दी हैं।



वैश्विक महावारी दिवस पर कर्मचारियों और यात्रियों को किया जागरूक, पुरुष यात्रियों ने भी दिखाई रुचि

रेलवे स्टेशन महिलाओं को बांटे हाइजीन किट पीरियड्स में सावधानी रखने किया जागरूक



दिखाते हुए अपने घर की महिलाओं के लिए किट स्वीकार किया।

हाईजीन किट में ओआरएस घोल और जरूरी सामान

वितरित किए गए किट में एक पैकेट सेनेटरी पैड, एक नग टॉवल नैपकिन, ओआरएस घोल का पैकेट, इलेक्ट्रोल घोल का पैकेट, एक साबुन की टिकिया एवं मासिक धर्म संबंधी विशेष जानकारी के लिए पाम्पलेट दिया गया था। पाम्पलेट के जरिए पीरियड्स के उन विशेष दिनों में साफ-सफाई, खान-पान और स्थितियों से बचने की जानकारी दी गई।

इस निशुल्क वितरण कार्यक्रम में फाउंडेशन के सदस्य अनिता साहू, हिमपल कौर, रंजना पटेल, हरिंदर कौर, विजया शुक्ला, माया कौर, गगन गोयल, बलविंदर सिंह, वी बाबू, राजेश पटेल, परमिंदर सिंह एवं मास्टर राजवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।



सिटी इवेंट

भारत की मजबूत नींव रखने में नेहरू का अतुलनीय योगदान



भिलाई। भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, कोसा नगर, सुपेला, भिलाई द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान सुबह 10 बजे वार्ड क्रं 17 स्थित नेहरू भवन पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष नरसिंह नाथ उपस्थित रहे। 62वीं पुण्यतिथि का आयोजन पर उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। राष्ट्र निर्माण को किया याद ब्लॉक अध्यक्ष नरसिंह नाथ ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने में नेहरू का योगदान अतुलनीय है। इस दौरान कांग्रेस सदस्यों ने नेहरू के पंचशील सिद्धांतों, धर्मनिरपेक्षता और समावेशी भारत की सोच को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विशेष रुप से नरसिंह नाथ, केशव चौबे ,विनोद यादव, बंटू शर्मा , इस्माईल खान, दुर्गेश ताम्रकार, राजेंद्र महलंग, हीरा शंकर साहू, दीपक भाटिया, मो.शोएब खान, लादुराम सिन्हा, पंकी वर्मा, कीर्ति सिंह, संदीप साव सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया कार्यक्रम में कांग्रेस जन सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे ।

इवेंट लाइव

नए ट्रेड लाइसेंस को लेकर व्यापारियों ने महपौर और आयुक्त से की मुलाकात



दुर्ग। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने दुर्ग महापौर और कमिश्नर से मुलाकात कर ट्रेड लाइसेंस में हो रही अत्यधिक शुल्क वृद्धि व व्यापारियों पर बढ़ते आर्थिक बोझ के संबंध में दुर्ग चेंबर ऑफ कॉमर्स के जिला अध्यक्ष अनूप गटागट के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। चेंबर पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में व्यापार जगत पहले से ही आर्थिक मंदी, बढ़ती महंगाई, ऑनलाइन व्यापार की प्रतिस्पर्धा, जीएसटी एवं विभिन्न करों के दबाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में ट्रेड लाइसेंस शुल्क में कई गुना वृद्धि छोटे एवं मध्यम व्यापारियों, दुकानदारों, उद्यमियों तथा स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। ज्ञापन में बताया गया कि पहले किसी भी व्यापार करने वाले व्यापारियों से लगभग 850 रुपए तक शुल्क लिया जाता था, जबकि अब विभिन्न व्यवसायों पर प्रति 5 रुपए वर्ग फीट के हिसाब से दर तय किया है। अत्यधिक दरें निर्धारित कर दी गई हैं। इससे छोटे व्यापारियों में असंतोष व्याप्त है। प्रतिनिधिमंडल ने निगम प्रशासन से मांग की कि ट्रेड लाइसेंस शुल्क वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा व्यापारी हितों को ध्यान में रखते हुए पुराने शुल्क अथवा व्यावहारिक और व्यायसंगत दरें लागू की जाएं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनूप गटागट, महामंत्री कुलदीप सिंह, चेयरमैन किशोर जैन, चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स प्रदेश उपाध्यक्ष शिव चंद्राकर, मेंहदी भाई सामनानी, जवाहर जैन, कोषाध्यक्ष आनंद अग्रवाल, महिला विंग की महामंत्री नीतू श्रीवास्तव, सुदीप अग्रवाल, विनय खंडेलवाल, संजय केशवानी, मुरली सचदेवा, सतीश समर्थ, बहादुर अली थरानी, महेश गवलानी आदि उपस्थित थे।

समाज इवेंट

योगेश सारथी अध्यक्ष और विक्रम सिंह सेंगर बने महासचिव



दुर्ग। सूत सारथी समाज के नई प्रदेश कार्यकारणी का गठन सुमत भवन में किया गया। इस चुनाव में प्रदेश भर से भारी संख्या में आये सदस्यों की उपस्थिति में योगेश सारथी अध्यक्ष पद निर्वाचित हुए। महासचिव पद पर विक्रम सिंह सेंगर विजय हुए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर गणेश सोनवानी, कोषाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी प्रसाद सारथी निर्वाचित हुए। साथ ही कार्यकारणी पद पर स्मृति बाला बंधोर, सरोज हेमलता सारथी, मुरारी सारथी, अशोक सारथी, हेमंत सारथी, जीवन सारथी निर्विरोध चुने गये। चुनाव समिति के अध्यक्ष एआर बघेल व उनके सदस्यों द्वारा विधिवत चुनाव कराकर निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र दिया गया। वर्तमान में विक्रम सिंह सेंगर दुर्ग जिले के अध्यक्ष भी हैं।



● शहर में ईद उल अजहा की रौनक रही, अमन की दुआओं के लिए उठे हाथ

सुबह 7 बजे से शुरू हुआ ईद की नमाज का सिलसिला, तीन दिन तक घरों में होगी कुर्बानी

दुर्ग-भिलाई। शहर में गुरुवार को ईद उल अजहा की रौनक रही। सुबह 7 बजे से शहर की अलग-अलग मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज शुरू कर दी गई थी। अलग-अलग वक्त में इन मस्जिदों-ईदगाहों में हजारों की तादाद में लोगों ने ईद की नमाज अदा की। इसके साथ ही तीन दिन तक चलने वाला कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। वहीं इस्पात नगरी भिलाई से हज पर गए जायरीनों का हज पूरा होने की खुशियां उनके घरवालों ने मनाई जामा मस्जिद सेक्टर-6 की ईदगाह में सुबह 8 बजे ईद की नमाज अदा की गई। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदस्य मिर्जा आसिम बेग ने अपनी सालाना रिपोर्ट में मस्जिद में जारी कार्यों के साथ आवाम के सामने ट्रस्ट की आय-व्यय का ब्यौरा दिया। नमाज के बाद मुल्क में अमन व तरक्की की दुआएं की गई। ईदगाह मैदान में मौजूद विभिन्न धर्म व समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुस्लिम भाईयों को गले मिल कर ईद की मुबारकबाद दी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट की ओर से सभी मेहमानों के लिए सेवइयों का इंतजाम भी किया गया। नमाज के बाद घरों में कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। लोगों ने अपने अपने सामर्थ्य के अनुरूप बकरों की कुर्बानी दी। यह कुर्बानी लोग अपनी सुविधा अनुसार 29 व 30 मई तक करेंगे। हज के मुबारक सफर पर जायरीनों के घर भी खुशियों का माहौल रहा। लोगों ने फोन और वीडियो कॉल पर बात कर अपने परिजनों को हज पूरा होने की मुबारकबाद दी। इधर ईद की नमाज के बाद लोग कब्रिस्तान भी पहुंचे। जहां अपने परिजनों की कब्र पर फूल चढ़ा कर फातिहा पढ़ी। ईद के मौके पर देर रात तक मुबारकबाद देने एक दूसरे के घरों में लोग पहुंचे। ईद की नमाज को देखते हुए यातायात पुलिस ने ईदगाहों और मस्जिदों के आगे सुबह से ही चाक चौबंद व्यवस्था कर रखी थी।



आज दुनिया में इंसानियत को ज़िंदा रखने की जरूरत: हाफिज कासिम



मर्कजी मस्जिद पावरहाउस कैम्प 2 में ईदुल अजहा की नमाज इमाम हाफिज कासिम बस्तवी ने अदा करवाई। नमाज से पहले आवाम को खिताब करते हुए मौलाना जुनेद ने कहा कि हजरत इब्बाहिम अलैहिस्सलाम व उनके बेटे हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी इंसानियत के लिए बड़ा पैगाम है कि अपनी प्यारी चीज को अल्लाह के राह में कुर्बान कैसे करें। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में इंसानियत को जिंदा रखने की जरूरत है। अल्लाह के नबी हजरत मोहम्मद सल्लु अलैहिस्सलाम ने सादगी की जिंदगी अपनाते, दूसरों की खैर खादी और अमन के लिए हमेशा कुरबानी की तालीम दी है, हमें उसी रास्ते पर चलना होगा। इस मौके सभी ने मिलकर अल्लाह से अपने गुनाहों की माफ़ी मांग कर नेक और सीधे रास्ते पर चलने, आपसी मोहब्बत-भाईचारा कायम करने के साथ मुल्क की तरक्की अमन-चैन की दुआएं की। इस मौके पर सदर मोहम्मद असलम, नायब सदर इमामुद्दीन पटेल, सेक्रेटरी सैय्यद असलम, खजांची निजामुद्दीन नायब सेक्रेटरी मोहम्मद अकरम नायब खजांची हाफिज महफूज, युसूफ सिद्दीकी, हाफिज अहमद, जफर कुरैशी, अलीम, मोहम्मद सोहेल मोहम्मद और अशरफ इनाम सहित बड़ी तादाद में मौजूद लोगों ने एक दूसरे को ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी।

मुस्लिम समुदाय को दी मुबारकबाद



कुरैशी के साथ मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु इमाम साहब और सभी मुस्लिम समुदाय के लोगो से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी। आर डी कोरी ने क्षेत्र की जनता के लिए सुख, शांति, खुशहाली और अमनचैन के लिए भी प्रार्थना की।

मिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट जामा मस्जिद सेक्टर 6 द्वारा आयोजित ईद-उल-अजहा के अवसर पर मुस्लिम समुदाय को मुबारकबाद देने सेल मिलाई इस्पात संयंत्र अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति निशक्त महिला एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन के चेयरमैन आर डी कोरी अपने साथियों के साथ मस्जिद पहुंचे। इस दौरान छग के पूर्व मंत्री बद्धरुद्दीन कुरैशी के साथ मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु इमाम साहब और सभी मुस्लिम समुदाय के लोगो से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी। आर डी कोरी ने क्षेत्र की जनता के लिए सुख, शांति, खुशहाली और अमनचैन के लिए भी प्रार्थना की।

दुर्ग के मस्जिदों में सुबह से रही रौनक, लोगों ने अदा की नमाज



दुर्ग की तमाम मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से रौनक रही। ईद की विशेष नमाज में हजारों की तादाद में लोग जुटे। नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों को मुबारकबाद देने ईदगाह-मस्जिदों में नेताओं से लेकर विभिन्न समाज व जिला एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अफसर पहुंचे। वहीं घरों में भी देर रात तक मुबारकबाद का सिलसिला चलता रहा। दुर्ग में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह मैदान और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर प्रदेशवासियों के लिए अमन चैन की दुआ मांगी। समाज के लोगों को बधाई देने पूर्व विधायक अरुण वारा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेन्द्र साहू, अलाफ अहमद, अब्दुल गनी, अय्यूब खान प्रमुख रूप से मौजूद थे। मस्जिद ट्रस्ट की ओर से सेवइयों से गुंठ मीठा कराया गया।



बोरसी मस्जिद में पढ़ी गई नमाज, शहरवासियों के लिए मांगी दुआ

दुर्ग। बोरसी मस्जिद में भी नमाज पढ़ी गई। ईद उल अजहा की जमात के साथ और दुर्ग शहर वासियों के लिए दुआ की गई। अमन और शांति बना रहे और भाईचारा बना रहे। शहर में अमन शांति हमेशा ऐसी बन रहे और भाईचारा की मिसाल ऐसे रहे। दुर्ग शहर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष रज्जाक भाई ने नमाज अदा की।



पुणे से आई ब्रह्माकुमारी दीदियों ने कहा छत्तीसगढ़ सबसे बढ़िया

बड़ों की दुआएं सभी के लिए वरदहस्त के समान, श्रेष्ठ कर्म करते हुए मन से निरंतर परमात्मा को करते रहें याद

कार्नर न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंची पुणे शहर की ब्रह्माकुमारी दीदियों ने प्रातःकालीन राजयोग सत्र के पश्चात अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए। पुणे से भिलाई पहुंची ब्रह्माकुमारी गीतिका दीदी ने कहा कि मन की स्वच्छता द्वारा परमात्मा के समीप आकर दिव्य शक्तियों को धारण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बुरा न सोचें, न देखें, न बोलें और न सुनें। साथ ही श्रेष्ठ कर्म करते हुए मन से निरंतर परमात्मा को याद रखने तथा सभी के प्रति शुभ भावना रख, जीवन में अंतिम समय तक सीखने की भावना बनाए रखनी चाहिए। साथ ही हंस समान गुण ग्रहण करने और अवगुणों का त्याग कर गुणों को अपनाने की प्रेरणा दी।



बड़ों की दुआएं जीवन को बनाती है सफल

होके गीतिका ने कहा कि हम सभी भाव्यविद्याता परमात्मा के भाव्यवान बच्चे हैं तथा परमात्मा की क्षत्रछाया हमेशा हमारे सिर पर है। उन्होंने कहा कि बड़ों की दुआएं और पालना जीवन को सफल एवं सुखमय बनाती हैं। बड़ों का स्नेह और प्यार हम सभी के लिए वरदहस्त के समान है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रवास के बारे बताया कि छत्तीसगढ़ सबसे बढ़िया, छत्तीसगढ़ की ब्रह्माकुमारी दीदीयों में राजयोगिनी दादियों की निरुपार्थ मातृत्व पालना, सादगी, आत्मीयता और सेवा भावना विशेष रूप से दिखाई देती है। छग के सभी सेवाकेंद्र विशाल और आध्यात्मिक सकारात्मक ऊर्जा और शांति से समृद्ध हैं। इस अवसरपर ब्रह्माकुमारी दीपिका, स्मिता, रूप, मनीषा, सुनीता, उर्मिला, गौरी और सरिता ने भी अपने आध्यात्मिक अनुभव व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी दीदियों का तिलक, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पट्टिका पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। ब्रह्माकुमारी गीतिका दीदी का जन्म और शिक्षा भिलाई में ही संपन्न हुई है। इसके पश्चात उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वरीय सेवाओं के लिए समर्पित कर पुणे में सेवाकेंद्र का कुशल संचालन कर रही हैं। कार्यक्रम के अंत में राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि भिलाई की ब्रह्माकुमारी बहनें ज्ञानगंगा एवं शिवशक्ति स्वरूप बनकर संपूर्ण भारत में आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से लोगों के जीवन को तनावमुक्त एवं सुखहाल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

स्वास्थ्य

गर्मियों में इम्युनिटी पर नहीं आएगी कोई आंच, करें ये काम



गर्मियों में आप भी बार-बार बीमार पड़ने से बचना चाहते हैं, तो आप ये आसान उपायों को अपनाकर अपनी इम्युनिटी मजबूत कर सकते हैं। गर्मियों का मौसम अपने साथ, धूप, पसीना और लू लेकर आता है। इस मौसम में लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इस मौसम में इम्युनिटी मजबूत बनी रहे। अगर आप भी गर्मियों में ये 5 काम कर लेंगे, तो आप शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने के साथ-साथ इम्युनिटी को बूस्ट कर लेंगे। हम आपको इस आर्टिकल में ऐसे 5 उपाय बताते जा रहे हैं, जिससे आपकी सेहत पर आंच नहीं आएगी। चलिए जानते हैं इस बारे में विस्तार से। दरअसल ये उपाय मेरा खुद का आजमाया हुआ है। गर्मियों में मैं खुद को हेल्दी रखने के लिए इन पांच बातों को जरूर फॉलो करती हूं।

गर्मियों में इम्युनिटी को मजबूत कर सकते हैं ये उपाय

गर्मियों का मौसम पसीना निकालने वाला होता है, ऐसे में जितना हो सके आप लिक्विड डाइट लें, ताकि शरीर से जो वॉटर लॉस हो रहा है उसकी पूर्ति की जा सके। कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पिएं। सौंफ धनिया सहित और भी कई तरह के मसाले हैं, जो शरीर को ठंडक देते हैं, इन्हें एक बार दिन में जरूर शामिल करें। आप नारियल पानी, बेल शरबत, गन्ने का जूस, नींबू पानी जैसे नेचुरल ड्रिंक का सेवन करें। छाछ को डाइट का हिस्सा बनाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ये सभी चीजें इम्युनिटी को मजबूत बनाती हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही मार्केट में एक से



बढ़कर एक फल नजर आते हैं। ऐसे में मौसमी फलों को प्राथमिकता दें। जैसे, खरबूज, तरबूज,खीरा ककड़ी, लीची, अंगूर वगैरह खाएं। यह मौसमी फल पानी से भरपूर होते हैं, और इनमें विटामिन सी होता है,जो इम्युनिटी को मजबूती देता है।

तला भुना खाना सबको पसंद आता है लेकिन यह आपकी इम्युनिटी पर प्रहार कर सकते हैं। ऐसे में गर्मियों में जितना इनसे दूरी बनाई जाए अच्छा है। इसकी जगह पर आप दलिया, मूंग दाल की खिचड़ी, लौकी, तोरई जैसी सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाएं। ये बेहद हल्के होते हैं। इनमें फाइबर और प्रोटीन होता है,जो पाचन को बढ़ावा देता है।

गर्मी के कारण नींद की दिक्कत सबसे ज्यादा होती है।दिन हो या रात, किसी वक्त भी चैन नहीं मिलता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप हर हाल में 8 घंटे की नींद लें। कमरे का तापमान ठंडा रखें और स्क्रीन से दूरी बनाएं। इससे नींद अच्छी आती है। जब आप पूरी नींद लेंगे, तो इम्यून सिस्टम मजबूत होगा

और सबसे जरूरी है कि आप हाइजीन का ख्याल रखें। गर्मियों में धूल मिट्टी, पसीना बहुत



ज्यादा होता है। ऐसे में हाथ धोने और रोजाना नहाने की आदत आपको वायरस और बैक्टीरिया से दूर रखती है।

गर्मियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें, मौसमी फल-सब्जियां खाएं, प्रोसेस्ड फूड से बचें और रोजाना 30 मिनट का व्यायाम या योग करें। गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप और डिहाइड्रेशन के कारण इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। अपनी इम्युनिटी को मजबूत रखने के लिए निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखें।

हाइड्रेशन और डाइट (आहार और पोषण)

भरपूर पानी पिएं: दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं ताकि शरीर से विषैले तत्व बाहर निकल सकें। लिक्विड डाइट: पानी के अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ और ताजे फलों का जूस अपनी डाइट में शामिल करें। मौसमी फल में विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर तरबूज, पपीता, आम और खट्टे फल (जैसे संतरा) खाएं। हरी सब्जियां और दही खीरा, ककड़ी, टमाटर जैसी उंडी सब्जियां खाएं और पाचन को दुरुस्त रखने के लिए दही को डेली रूटीन में शामिल करें।

तनाव का सीधा संबंध है पाचन से, आज ही से सुधारें इस गड़बड़ी को

अगर पाचन की समस्या की जड़ में छिपा है आपका तनाव, जल्द मुक्ति पा लें तो रहेगी तबीयत भी ठीक

आज के समय बहुत से लोग मानसिक तनाव से परेशान रहते हैं। एक स्टडी के मुताबिक मानसिक तनाव का सीधा संबंध पाचन क्रिया से होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि इससे बचने के क्या उपाय हैं?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पाचन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। पेट दर्द, अपच, कब्ज और गैस जैसी परेशानियां हर उम्र के लोगों को सता रही हैं। गर्मी के मौसम में तो ये दिक्कतें और भी बढ़ जाती हैं। पाचन संबंधी समस्याओं के पीछे कई कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका एक बड़ा कारण मानसिक तनाव भी है। जी हां, एक स्टडी के अनुसार, हमारे मस्तिष्क का आंतों से सीधा और गहरा संबंध होता है, यानी पाचन क्रिया और मानसिक तनाव आपस में जुड़े हुए हैं।

तनाव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में स्ट्रेस हार्मोन जैसे कॉर्टिसोल और एड्रेनालाइन का स्तर बढ़ जाता है। इन हार्मोनों का सीधा असर हमारी पाचन क्रिया पर पड़ता है, जिससे पेट में ऐंठन और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक तनाव में रहने से आंत में बैक्टीरिया का



संतुलन बिगड़ता है, जिससे पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है।

गर्मियों में यह समस्या और बढ़ जाती है। उच्च तापमान और डिहाइड्रेशन के कारण शरीर पहले से ही तनावग्रस्त होता है। ऐसे में अगर आपकी दिनचर्या अनियमित है, खान-पान अनहेल्दी है, या आप मानसिक तनाव में हैं, तो पाचन संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, तनाव के कारण नींद की कमी भी पाचन तंत्र को प्रभावित करती है, जिससे दिनभर थकान और एकाग्रता में कमी महसूस होती है।



घर में बेलपत्र का पौधा लगाना है तो जानें वास्तु के नियम

बेल के पौधे को ज्योतिष और वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। इस पौधे की पत्तियों को हमेशा भगवान शिव की पूजा में अर्पित किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस पौधे को घर पर लगा रही हैं तो वास्तु के नियमों का पालन जरूरी है।

वास्तु की दृष्टि से बेल के पेड़ का महत्व

वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों का घर में स्थान बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रत्येक पौधा न केवल पर्यावरण को सुंदर और हरा-भरा बनाता है, बल्कि यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। यह ऐसे ही पौधों में से एक है जो घर में शुभता और समृद्धि लाने का काम करता है। यह घर में सुख, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेल का पेड़ घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का कार्य करता है। यह वातावरण को शुद्ध करता है और घर में शांति और समृद्धि को बढ़ाता है।

क्या घर में बेल का पौधा लगाना ठीक है?

घर में बेल का पौधा लगाना वास्तु शास्त्र और धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत शुभ माना जाता है। विशेष रूप से यह पौधा भगवान शिव से जुड़ा है, इसलिए जिस स्थान पर ये पौधा होता है वहां भगवान शिव की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहती है। मान्यता है कि इस पौधे को यदि आप अपने घर की सही दिशा में लगाती हैं तो सदैव शिव जी की कृपा दृष्टि बनी रहती है। यही नहीं इससे सकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में फैलती है। हालांकि आप जग भी ये पौधा घर में लगाएं इसकी सही दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है और इस बात का भी ध्यान रखने की जरूरत है कि यह पौधा किसी भी कारण से सूखना नहीं चाहिए। आपको इस पौधे की



नियमित देखभाल करनी चाहिए और इस पर समय-समय पर जल चढ़ाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार बेल के पौधे की सही दिशा क्या है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेल का पौधा घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण या उत्तर दिशा में ही लगाना सबसे शुभ माना जाता है। यदि आप इस दिशा में बेल का पौधा लगाती हैं तो जीवन में सदैव सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा, बेल के पत्तों का प्रयोग भगवान शिव की पूजा में भी किया जाता है, जिससे घर में भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और परिवार के सदस्य स्वस्थ रहते हैं।

आपके लिए यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि बेल का पौधा बहुत बड़े आकर का हो सकता है, इसलिए यदि आप इसे गार्डन में लगा रही हैं तो सही स्थान का ध्यान रखें और मुख्य द्वार से थोड़ी दूरी पर ही लगाएं। वैसे इस पौधे को आप यदि गमले में लगाएं तो वो भी आपके लिए शुभ माना जाता है। बेल का पौधा आपके पश्चिम दिशा में लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह दिशा नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकती है।

कार्नर न्यूज

अकेलापन आपकी मानसिक सेहत को करता है प्रभावित

घर से दूर रहकर होता है अकेलेपन का एहसास, इसे दूर करने खुद को रखें व्यस्त

नई हॉबी अपनाएं

खुद को व्यस्त रखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए नई हॉबी को अपनाएं। कुकिंग, पेंटिंग, म्यूजिक या कोई ऑनलाइन कोर्स जैसे कुछ नया सीखना आत्मविश्वास बढ़ाता है।

दोस्तों और परिवार से जुड़े रहें

हर दिन कुछ देर अपनों से फोन या वीडियो कॉल पर बात करें। ये आपके अकेलेपन को काफी हद तक कम कर सकता है।

योग करें

मानसिक शांति और ऊर्जा के लिए ध्यान और योग बेहद लाभदायक हैं। अकेलापन महसूस हो लोगों से मेलजोल बढ़ाएं पड़ोसी, ऑफिस या आस-पास के लोगों से मिलते रहें, यह सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने में मदद करता है।

पेट्स अपनाएं

पालतू जानवर आपके अकेलेपन के साथी



बन सकते हैं और घर को जीवंत बना देते हैं।

वॉक

खुले वातावरण में टहलना या पार्क में कुछ वक्त बिताना मूड को बेहतर बनाता है। दूरस्थ कार्य और घर से काम करने के दौरान होने वाले अकेलेपन को कैसे रोके और दूर करें। सलाह में कम से कम एक दिन अपने घर से



40 की उम्र के बाद भी बने रहेंगे तंदुरुस्त अपनाएंगे अगर सेहत से जुड़ी टिप्स

40 साल की उम्र वो पड़ाव होता है, जब शरीर में कई शारीरिक समस्याएं और स्वास्थ्य स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपर्ट का कहना है, कि इस उम्र के बाद आपको काफी संभलकर रहना होता है। यंगस्टर्स तो फिट रहने के लिए हेल्दी और क्लीन डाइट,रनिंग,साइकलिंग, जिम जाकर वर्कआउट करना ,जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूर रहना और योग करना आदि कई उपाय अपनाते हैं। लेकिन 40 के आसपास की उम्र वाले लोग पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण लाइफ स्टाइल को उतना एक्टिव नहीं रख पाते, जितना उन्हें रखना चाहिए। अगर कोई भी अपने शरीर और स्वास्थ्य पर पहले से ही काम करना शुरू करे, तो 40 की उम्र के बाद अधिक मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो 40 की उम्र के बाद भी फिट रहने में आपकी मदद कर सकते हैं।

स्ट्रेंथ पर करें काम

हमारी उम्र के साथ मांसपेशियों का निर्माण और रखरखाव हमारी हड्डियों को मजबूत रखने का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। वहीं, मांसपेशियों का द्रव्यमान उम्र बढ़ने के साथ कम होने लगता है, इसलिए रेंजिस्टेंस ट्रेनिंग यानी वेट ट्रेनिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए, अभी से ही वेट ट्रेनिंग को डेली रूटीन में शामिल करें, ताकि आगे चलकर आपको कोई समस्या न हो।



मसल्स फ्लेक्स पर दें ध्यान

40 साल से अधिक उम्र के लोग हर साल अपने मसल्स का लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा खो देते हैं। इसलिए 40 साल से अधिक उम्र के लोगों को जरूरी है कि वे मसल्स को फ्लेक्स करें। इसके लिए रोज चलना और फिर हल्के वजन से वेट ट्रेनिंग करना काफी फायदेमंद हो सकता है। लेकिन अगर आप अभी 40 के नहीं हुए हैं, तो मसल्स फ्लेक्शन पर ध्यान दें, ताकि आगे चलकर कोई प्रॉब्लम न आए।

जंक फूड अवॉइड करें

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने साल के हैं। हर उम्र में एनर्जी की कमी, सुस्ती आदि जैसे समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप अभी जंक फूड खा रहे होंगे तो इसका असर आपको आलस, वेट गेन के रूप में दिखेगा। लेकिन जब उम्र बढ़ने लगेगी, वैसे-वैसे इसके अधिक प्रभाव आपको देखने मिलेंगे। आप यह बात तो जानते ही होंगे कि जंक फूड खाने से शरीर को कितनी सारी प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। अगर आप बढ़ती उम्र में भी फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो जंक फूड को खाना बंद कर दें।

फाइबर का सेवन करें

जब आप छोटे थे, तो हो सकता है कि वजन बढ़ाए बिना जो चाहें खा सकते थे। क्योंकि कम उम्र में शारीरिक एक्टिविटी अधिक हो सकती हैं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ वो सारी चीजें बदल जाती हैं। जैसे-जैसे आप 40 की उम्र के करीब पहुंचते हैं, मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है और वजन बढ़ने के चांस अधिक बढ़ जाते हैं। इससे बचने के लिए फाइबर से युक्त फूड का सेवन अधिक करना चाहिए। इसके लिए साबुत अनाज, कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट, भरपूर सब्जियां, फल और लीन प्रोटीन का सेवन करें।



घर की सजावट

एक साफ-सुथरा और मनपसंद माहौल आपको मानसिक सुकून देता है। जिस स्थान पर आप रह रहे हैं, उसे व्यवस्थित रखें और इसकी सजावट उसी तरीके से करें जैसे घर को सजाया जाता है।

अकेले रहना आत्मनिर्भरता सिखाता है लेकिन कई बार अकेलापन मन पर हावी हो जाता है। अगर आप भी अकेलेपन से जूझ रहे हैं तो इन उपायों को अपनाकर खुद को सकारात्मक बनाए रख सकते हैं। परिवार और घर किसी भी व्यक्ति के जीवन में बेहद जरूरी होता है लेकिन पढ़ाई या नौकरी के कारण अक्सर लोग अपने घर परिवार से दूर रहने लगते हैं। इस दौरान उन्हें होम सिकनेस यानी घर की याद आती है। अकेले रहना आज के दौर में आम हो गया है, खासकर पढ़ाई, नौकरी या किसी और कारण से घर से दूर रहने वालों के लिए। हालांकि अकेले रहना आत्मनिर्भरता सिखाता है लेकिन कई बार अकेलापन मन पर हावी हो जाता है। अगर आप भी अकेलेपन से जूझ रहे हैं तो इन उपायों को अपनाकर खुद को सकारात्मक बनाए रख सकते हैं।

रूटीन को अपनाएं

दिनचर्या को संतुलित रखने से मन व्यस्त रहता है और बेवजह की सोच से बचा जा सकता है। इसलिए एक रूटीन बनाएं और इस रूटीन के मुताबिक खुद को व्यस्त रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

खत्म नहीं हुई ‘मनी हाइस्ट’ की कहानी
नए टीजर ने दर्शकों का बढ़ाया उत्साह

अगर आपको पास अब भी लाल जंपसूट और मास्क की यादें ताजा हैं, तो तैयार हो जाइए, क्योंकि ‘मनी हाइस्ट’ की दुनिया अभी खत्म नहीं हुई है। लगभग पांच साल पहले शो का आखिरी सीजन आने के बाद अब नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर इशारा दिया है कि ‘मनी हाइस्ट’ फ्रेंचाइजी आगे भी जारी रहने वाली है। दरअसल, ‘बर्लिन सीजन 2’ की रिलीज से पहले नेटफ्लिक्स ने एक नया टीजर जारी किया, जिसके कैप्शन में लिखा- ‘मनी हाइस्ट की दुनिया जारी है!’ इस टीजर ने फैस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। हालांकि अभी यह साफ नहीं किया गया है कि अगला प्रोजेक्ट नया स्पिन-ऑफ होगा, ‘मनी हाइस्ट’ का सीजन 6 होगा या फिर पूरी तरह नई कहानी देखने को मिलेगी। ‘बर्लिन’ का दूसरा सीजन 15 मई को दुनियाभर में रिलीज हो चुका है। नेटफ्लिक्स ने इस अनाउंसमेंट को और भी खास बनाने के लिए सोशल मीडिया पर एक दमदार पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में लाल जंपसूट पहने लोग, गोल्ड बार्स, पैसे और हथियार दिखाई दिए। साथ ही कैप्शन में लिखा गया- ‘बेला चाओ अब भी गूंज रहा है मनी हाइस्ट की दुनिया जारी है!’ टीजर में पुराने सीजनस की आइकॉनिक चोरी जैसे रॉयल मिंट और ‘बैंक ऑफ स्पेन’ की झलक भी दिखाई गई। इसके साथ ही यह इशारा भी मिला कि आने वाले समय में कहानी और भी बड़े लेवल पर देखने को मिल सकती है। इतना ही नहीं, नेटफ्लिक्स ने इस ऐलान के लिए स्पेन के सेविले शहर में एक बड़ी पीआर स्टंट भी किया।

टॉलीवुड

शाहरुख ने ‘जिंदगी का सबसे बड़ा कॉम्प्लिमेंट’ दिया जगपति को

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान को ले कर टॉलीवुड स्टार जगपति बाबू ने बड़ा खुलासा किया। उन्होंने पुरानी फिल्म का किस्सा शेयर करते हुए ऐसा किस्सा बताया, जो अब सुर्खियों में आ गया है। किंग शाहरुख खान और टॉलीवुड स्टार जगपति बाबू अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री से जरूर आते हैं, लेकिन दोनों का एक खास फिल्मी कनेक्शन रहा है, जिसे शायद बहुत कम लोग जानते हैं। हाल ही में जगपति बाबू ने एक इंटरव्यू में इस दिलचस्प किस्से का खुलासा किया। जगपति बाबू ने बताया कि साल 1998 में आई तेलुगु फिल्म ‘अंतापुरम’ में उन्होंने एक अहम किरदार निभाया था। फिल्म में वह एक छोटे-मोटे चोर ‘सराय वीरराजु’ के रोल में थे, जो एक महिला और उसके बच्चे की मदद करते-करते अपनी जान तक कुर्बान कर देता है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। बाद में इसी फिल्म का हिंदी रीमेक ‘शक्ति: द पावर’ बनाया गया, जिसे उसी निर्देशक कृष्णा वामसी ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान ने वही किरदार निभाया था, जो तेलुगु वर्जन में जगपति बाबू ने निभाया था। वहीं करियमा कपूर ने सौंदर्या वाला रोल निभाया था। जगपति बाबू ने बताया कि फिल्म के एक खास सीन को करते वक़्त शाहरुख काफी परेशान हो गए थे। उन्होंने कहा, ‘फिल्म के आखिर में एक स्मोकिंग और डेथ सीन था, जिसे शाहरुख ने रीक्रिएट किया। शायद वह सीन वैसा नहीं बन पा रहा था जैसा चाहिए था। उस समय उन्होंने गुस्से में कुछ कहा, जो मैं बता नहीं सकता, लेकिन वह मेरे लिए जिंदगी का सबसे बड़ा कॉम्प्लिमेंट था।’ एक्टर ने आगे बताया कि बाद में जब उनकी मुलाकात शाहरुख खान से हुई, तो उन्होंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने सच में उनके बारे में ऐसा कहा था।

भोजपुरी

‘शरारत’ का भोजपुरी वर्जन इंटरनेट पर छाया, लोग बोले : ये तो और भी मजेदार

बॉलीवुड के पॉपुलर गानों के भोजपुरी तड़का अक्सर लगाया जाता रहा है। अब हाल ही में ‘धुरंधर’ के सबसे मशहूर गाने ‘शरारत’ का भोजपुरी वर्जन भी आ गया है, जो इंटरनेट पर छाया हुआ है। इस भोजपुरी वर्जन पर लोग प्यार लुटा रहे हैं और खूब शेयर कर रहे हैं। बीते साल 2025 में रिलीज हुई ‘धुरंधर’ ने बैंक्स ऑफिस पर तलहका मचा दिया था। जितना लोगों को ये फिल्म पसंद आई थी, उतना ही इसके गानों का क्रेज देखने को मिला था। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी ‘धुरंधर’ का गाना ‘शरारत’ बहुत ही ज्यादा पॉपुलर हुआ था, जिसने व्यूज के मामले में कई बॉलीवुड सॉन्ग्स को पीछे छोड़ दिया था। ‘धुरंधर’ का आइटम सॉन्ग ‘शरारत’ आते ही सोशल मीडिया पर छा गया था। ये गाना धुरंधर फ्रेंचाइजी का सबसे ज्यादा देखा गया गाना है, जिसे यूट्यूब पर 599 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। इस गाने की इतनी पॉपुलैरिटी को देखते हुए अब इसका भोजपुरी वर्जन भी सामने आया है, जिसे दो दिनों में 56 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। बॉलीवुड के गानों का भोजपुरी वर्जन बनाने का ट्रेंड काफी पुराना है। आइ दिनों भोजपुरी आर्टिस्ट बॉलीवुड के गानों में भोजपुरी का तड़का लगाते हुए नजर आते हैं। अब एक बार फिर ऐसा ही कुछ हुआ है। ‘धुरंधर’ के ‘शरारत’ सॉन्ग का भोजपुरी वर्जन काफी वायरल हो रहा है। भोजपुरी स्टाइल में रिक्रिएट किए गाने को लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं।

रोन का कलेक्शन

कनाडा के अल्बर्टा में पिजन लेक रिजर्वेशन में पली-बढ़ी, मूल निवासी डिजाइनर ओसामुस्कवासिस रोन इन दिनों सुर्खियों में है। वे क्री और डेने समुदाय से हैं और एमिनेस्किन क्री नेशन की एक रजिस्टर्ड सदस्य हैं। उनके परिवार में मोतियों का काम करने वाले कलाकारों की एक लंबी परंपरा रही है, इसलिए उन्हें अपनी संस्कृति की बारीक कारीगरी की तारीफ करने में ज्यादा समय नहीं लगा। इसके कुछ ही समय बाद, उन्होंने खुद भी अपनी कलाकृतियों बनाना शुरू कर दिया। रोन वोग को बताती हैं, रमै डिजाइन की दुनिया में उन पीढ़ियों से चली आ रही सीखों के जरिए आई, जो मुझे विरासत में मिली थीं।



सनस्क्रीन लगाने के बावजूद टैनिंग से काले हो रहे हाथ-पैर, कहीं ये गलतियां तो नहीं कर रहे

जिस तरह से गर्मी का असर लोगों की सेहत पर होता है, ठीक उसी तरह से गर्मी और तेज धूप लोगों की त्वचा पर भी प्रभाव डालती है। इस मौसम में सूरज की हानिकारक किरणें लोगों के चेहरे के साथ-साथ हाथ और पैरों को भी काला कर देती हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए हर कोई सनस्क्रीन का इस्तेमाल करता है। सनस्क्रीन का सही इस्तेमाल आपकी स्किन को टैनिंग से बचाता है। पर, बहुत से लोगों को ये शिकायत रहती है कि सनस्क्रीन के इस्तेमाल के बावजूद उनकी त्वचा पर टैनिंग हो रही है। ऐसा कुछ गलतियों की वजह से भी हो सकता है। हम आपको इसी बारे में बताएंगे, ताकि आप भी सनस्क्रीन का सही से इस्तेमाल करें, जिससे आपकी स्किन गर्मी के मौसम में भी खिली-खिली रहे। यदि आपके हाथ-पैर काले पड़ रहे हैं, लेकिन चेहरा ठीक है तो ध्यान दें कि कहीं आप हाथ-पैर पर तो सनस्क्रीन लगाना भूल नहीं रहे हैं। यदि हां तो ये एक बड़ी गलती है। हाथ-पैरों पर भी



सनस्क्रीन का इस्तेमाल उतना ही जरूरी है, जितना कि चेहरे पर। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपके हाथ-पैर अपने आप काले पड़ने लगेंगे। आपके लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि सनस्क्रीन का एसपीएफ कितना है ? 40 एसपीएफ से कम वाली सनस्क्रीन को लगाना न

नहाते समय कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां

गर्मी के मौसम में राहत पाने का सबसे अच्छा तरीका है नहाना। यही वजह है कि इस मौसम में तो लोग दो से तीन बार नहा लेते हैं। इस मौसम में बार-बार नहाना अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे शरीर को राहत मिलती है और पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

गर्मी में भी गर्म पानी का इस्तेमाल

बहुत से लोग इस भीषण गर्मी के मौसम में भी गर्म पानी से नहाते हैं। जबकि गर्मी पानी से तो ठंड के मौसम में भी नहीं नहाना चाहिए। गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है, जिस कारण स्किन काफी रूखी होने लगती है। ऐसे में हमेशा ठंडे पानी से ही नहाएं। यदि आप गर्म पानी से नहा भी रहे हैं तो याद रखें कि ये पानी एकदम हल्का गुनगुना होना चाहिए।

देर तक नहाना

गर्मी के मौसम में शॉवर चलाकर नहाना हर किसी को अच्छा लगता है। उसके सामने से तो हटने का मन ही नहीं करता। यदि आप भी देर



तक नहाते रहते हैं, तो आपको भी संभलने की जरूरत है। ज्यादा देर तक नहाने से त्वचा की नमी खत्म होने लगती है। 10 मिनट नहाने के लिए काफी पर्याप्त माने जाते हैं।

ज्यादा साबुन धिसना

नहाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि ज्यादा साबुन धिसने से कभी भी त्वचा की सफाई नहीं होती। एक बार साबुन लगाकर आपको हाथ से ही त्वचा की गंदगी को साफ करना होगा। ज्यादा साबुन लगाने से भी स्किन डैमेज होने लगती है, इसलिए ऐसा कभी न करें।।

कार्नर न्यूज

फैशन पर सिर्फ महिलाओं की समझ और पसंद को जरूरी नहीं माना जा सकता है। पुरुषों के स्टाइल का भी अपना अलग एक पैमाना है। इस पैमाने पर खरा उतरने के लिए पुरुषों को भी कई सारे नियम-कायदे ध्यान रखने होते हैं। ताकि वो परफेक्ट दिखें और फैशन की दुनिया में पीछे न रह जाएं। इसलिए फैशन को अपनाइए और क्रॉप्ड पैट पहनने का सही तरीका जानिए। वही क्रॉप्ड पैटन जो नीचे से थोड़ी ऊंची और पसंद के मुताबिक थोड़ी टाइट भी होती है। इस पैट को यूहीं खरीद कर पहन लेने की सोचिएगा भी नहीं क्योंकि इसको पहनने का एक खास तरीका होता है। सबसे पहले तो इसी सवाल का जवाब जानिए कि पैट ऊंची हो तो कितनी? इसका जवाब है ये पेंट जूतों से 3 इंच ऊपर होनी चाहिए और मिड काल्फ से नीचे भी। अब सवाल ये है कि इन पैट की फिट को कितना स्लिम या वाइड होना चाहिए? इसके लिए आपको अच्छे फिट वाली स्किनी या स्लिम कट जींस पहननी चाहिए। लेकिन मूवमेंट के



पुरुषों के स्टाइल का होता है अलग पैमाना

मेंस फैशन में सबकी पसंदीदा है क्रॉप्ड पैट, सही स्टाइल अपनाएं तो मिलेगा परफेक्ट लुक

लिए इसमें जगह होनी चाहिए। अब इस पैट को स्टाइल करने की बात करते हैं तो आपको इनमें नेवी, ब्लैक और सफेद रंगों का चुनाव करना चाहिए। इसके अलवा अगर आप कोई और रंग चुनते हैं तो रॉयल ब्लू, बरगंडी वगैरह चुने जा सकते हैं। इन पैट के साथ जूते चुनते हुए भी सावधानी बरतें। इनके साथ ऐसे जूते पहनें, जिनमें मोजे पहने बिना काम चल जाए। या फिर आप बिना मोजों के ही जूते पहनें। इसके साथ आप स्लिप आन स्टाइल के जूते पहन लें, वो आपके लुक को बेस्ट बना देंगे। लेस अप केनवास शूज का चुनाव भी अच्छे रहेगा। क्रॉप्ड पैट को ब्लेजर के साथ पहनना भी स्टाइल से जुड़ा जरूरी और बेहतरीन निर्णय हो सकता है।



बनारसी साड़ी को नए अंदाज में करें कैरी, देखकर लोग नजरें नहीं हटा पाएंगे

बनारसी साड़ी को अलग अंदाज में कैरी करके अपना लुक बदलना चाहती हैं, तो हमारे द्वारा बताई गई इन टिप्स को फॉलो करें। साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे महिलाएं हर मौके पर पहनना पसंद करती हैं। बात करें साड़ियों के टाइप की तो ज्यादातर महिलाओं को बनारसी साड़ी पसंद आती है। उत्तर प्रदेश के बनारस में बनने वाली ये बनारसी साड़ी शादी-विवाह से लेकर पूजा-पाठ के मौके के लिए भी सबसे सही विकल्प मानी जाती है। महिलाएं तो बनारसी साड़ी को बड़े चाव से पहनती हैं, लेकिन युवा लड़कियों को पारंपरिक परिधान में मॉडर्न टच देना पसंद आता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपनी पुरानी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी कर सकती हैं। इससे आपको पुरानी से पुरानी साड़ी भी दोबारा नए तरह से इस्तेमाल हो जाएगी। सिंपल ब्लाउज को करें ना



पहनें केप

आजकल महिलाओं के बीच केप का काफी ट्रेंड है। केप हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छा लगता है। साड़ी के पल्लु को अच्छी तरह से ड्रेप करके अगर आप केप पहनेंगी तो आपका अंदाज काफी अलग और नया लगेगा। इसके लिए मैचिंग की जगह एक दम कॉन्ट्रास्ट का केप खरीदें, ताकि उसका लुक अच्छा दिखे।

बेल्ट लगाएं

बॉस लेडी लुक कैरी करना है तो आप साड़ी के साथ लेदर बेल्ट लगा सकती हैं। लेदर बेल्ट की वजह से आपका लुक काफी अलग और स्टाइलिश दिखेगा। ध्यान रखें कि ये बेल्ट आउटफिट से मैच खाती हो। इसके साथ ज्यादा चौड़ी बेल्ट का इस्तेमाल तो कतई न करें।

धोती स्टाइल में पहनें

यदि सिंपल साड़ी पहनते-पहनते आप बोरे हो गई हैं तो अपनी खास बनारसी साड़ी को धोती स्टाइल में पहनें। धोती स्टाइल में साड़ी पहनने से आप सजह भी रहेंगी, और बार-बार आपको इसके खुलने का डर भी नहीं होगा। ज्यादातर महिलाएं बनारसी साड़ी के साथ पारंपरिक ज्वेलरी कैरी करना पसंद करती हैं, लेकिन यदि आपको अपना लुक अलग रखना है तो टिपिकल एथनिक ज्वेलरी की जगह कुछ अलग हटकर पहनें।

खरीदने से पहले जान लें लेस और गोटा पत्ती में फर्क

महिलाओं को बहुत अच्छे से पता होता है कि किस कपड़े को कैसे स्टाइल करना है। वो सादे से कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ ऐसा ढूंढ ही लेती हैं, जो उनके लुक को पूरी तरह से बदल देता है। खासतौर पर एथनिक आउटफिट में चार चांद लगाने के लिए आपने भी कभी न कभी गोटा पत्ती और लेस का इस्तेमाल किया होगा। महिलाएं कपड़े पर क्या सूट करेगा, वो इस्तेमाल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें इन दोनों चीजों का फर्क ही नहीं पता होता है। इसी के चलते हम आज के लेख में आपको लेस और गोटा पत्ती में फर्क बताएंगे, ताकि आप भी अपने आउटफिट के लिए सही चीज का चयन कर सकें।

कैसे हुई लेस की उत्पत्ति

कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने वाली लेस की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में यूरोप से हुई। उस वक़्त इसके दो मुख्य प्रकार, सुई लेस और बॉबिन लेस विकसित हुए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। शुरुआती दिनों में ये लिनन या रेशम के धागे से बनाई जाती थी, लेकिन आज के समय में इसे बनाने में कॉटन, नेट, नायलॉन, पॉलिएस्टर के धागों का इस्तेमाल भी किया जाता है।



कैसी होती है बनावट ?

अब बात करते हैं लेस की बनावट की तो इसकी बनावट काफी जालीदार, मुलायम, हल्की होती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लेस का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर कुर्ती, गाउन, टॉप, दुपट्टा, साड़ी के बॉर्डर तैयार करने में किया जाता है। अब जानते हैं कि लेस का इस्तेमाल क्यों होता है और इसकी कीमत क्या रहती है। तो आपको बता दें कि आमतौर पर लेस काफी सस्ती आती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लोग इसे लगा लेते हैं।